संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष- 21 अंक- 272
पृष्ठ 8
मंगलवार
24 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित    Email : shaharsamta@gmail.com    Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक- उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी की वजह से खत्म हो गई है...    विचार- ईरान और इजरायल के तीव्र होते...    खेल- चोट का मजाक उड़ाने वालों को बुमराह...

# श्यामा प्रसाद के सपने साकार होने में लगे 65 साल : योगी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में बीजेपी भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आज बलिदान दिवस मना रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में पहुंचकर उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश का जो सपना देखा था उसे साकार होने में 65 साल लग गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 खत्म कर वह कर दिखाया जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना था। प्रधानमंत्री का यही कदम डॉ. साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत की पहली कैबिनेट में डॉ. मुखर्जी ने मंत्री के रूप में अपनी भूमिका निभाते हुए देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया। राष्ट्रीय एकता से कोई समझौता नहीं हो सकता इस भावना के तहत उन्होंने पंडित

नेहरू की सरकार से इस्तीफा दे दिया। जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देकर संविधान का अनुच्छेद 370 लागू किया गया। यह भारत की अखंडता के लिए चुनौती था, जिसका डॉ. मुखर्जी ने डटकर विरोध किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे इस उद्घोष के साथ वे कश्मीर गए और वहीं की एक जेल में उनका बलिदान हुआ। उनका बलिदान आज भी हमें प्रेरणा देता है। डॉ. मुखर्जी ने जिस सपने को देखा था, उसे साकार करने में दशकों लग गए। कहा कि मैं डॉ. मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराता हूं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, भाजपा विधायक डॉ. नीरज बोरा और भाजपा विधायक योगेश शुक्ला भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और श्रद्धांजलि दी।

## अभिव्यक्ति, वाद-विवाद लोकतंत्र के अभिन्न अंग : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अभिव्यक्ति और वाद – विवाद को भारतीय लोकतंत्र के अभिन्न अंग करार देते हुए कहा है कि विश्वविद्यालयों को अभिव्यक्ति, नये विचारों और वाद–विवाद का

उद्गम बनना चाहिए। श्री धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गौतमबुद्ध नगर में भारतीय विश्वविद्यालय संघ "कुलपतियों के 99वें वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय सम्मेलन (2024–2025) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने के लिए नहीं होने चाहिए बल्कि उन्हें नवाचार के वाहक और विचारों के उद्गम स्थल बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा लोकतंत्र का प्राणतत्व है तथा विश्वविद्यालयों को असहमति, बहस, संवाद और चर्चा के लिए जगह देनी चाहिए।

## जलवायु परिवर्तन के संकट को देखते हुए पर्यावरणीय लागतों पर भी ध्यान दें लेखाकार : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जलवायु परिवर्तन के संकटों के मद्देनजर लेखाकारों से पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखने पर जोर देते हुए कहा है कि उनकी जिम्मेदारियां वित्तीय लेखांकन से कहीं आगे हैं। श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को यहां भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई) के राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह में कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना कर रही है और सतत विकास अब एक नारा नहीं है यह एक जरूरत बन गई है। उन्होंने कहा कि बदली हुई परिस्थितियों में लेखाकारों की भूमिका और जिम्मेदारी भी बदल गयी है। उन्होंने कहा ," वह समय बीत चुका है जब कॉर्पोरेट संगठन केवल लाभ के उद्देश्य से काम करते थे। अब उन्हें पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखना होगा। और यहीं पर सीएमए अपने कौशल के साथ ग्रह के भविष्य में एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। राष्ट्रपति ने छात्रों को यह ध्यान रखने की सलाह दी कि उनकी ज़िम्मेदारियाँ वित्तीय

लेखांकन से कहीं आगे तक फैली हुई हैं।" उन्होंने कहा कि लागत लेखाकार के रूप में वह 2047 तक देश के विकास में योगदान देने के लिए अद्वितीय स्थिति में हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईसीएमएआई द्वारा दी जाने वाली शिक्षा उन्हें न केवल सफल पेशेवर बनने में सक्षम बनाएगी, बल्कि राष्ट्र–निर्माता भी बनाएगी। राष्ट्रपति ने लेखाकारों के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि लेखांकन और जवाबदेही गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा ," हम जवाबदेही को महत्व देते हैं, इसलिए हम लेखांकन को विशेष महत्व देते हैं।" राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय लागत लेखाकार संस्थान आधुनिक समय में इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहा है। देश में लागत और प्रबंधन लेखाकारों के पेशे के नियमन तथा विकास के लिए आईसीएमएआई की स्थापना 1944 में की गई थी। यह संस्थान स्वतंत्रता के बाद भारत के आर्थिक परिवर्तन की गाथा का गवाह होने के साथ साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आईसीएमएआई देश की प्रगति में भागीदार रहा है क्योंकि यह नीति निर्माताओं, केंद्र और राज्य सरकारों के साथ–साथ विभिन्न संगठनों को लागत–कुशल रणनीतियां, प्रणालियां और मैनुअल विकसित करने में मूल्यवान सहायता प्रदान करता है।

## आर्यदान शौकत के समर्पण की जीत : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के नीलांबुर उपचुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। इस जीत के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने उम्मीदवार आर्यदान शौकत को बधाई दी और जीत के लिए पार्टी के समर्पण और फोकस की प्रशंसा की। प्रियंका गांधी ने नीलांबुर के लोगों को यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के विजन में उनके विश्वास के लिए धन्यवाद दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका समर्थन पार्टी को आगे ले जाएगा। प्रियंका गांधी ने एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर पोस्ट शेयर कर लिखा, "हमने एक टीम के रूप में काम किया, हर एक ने प्रतिबद्धता और एकल–निर्देशित फोकस के साथ काम किया, यही इस सफलता का सबसे महत्वपूर्ण सबक है। आर्यदान शौकत को हार्दिक बधाई, जिनके समर्पण और सेवा ने चमक बिखेरी है और यूडीएफ के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिनके प्रयासों से यह जीत संभव हुई है।" नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में कांग्रेस के यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने सोमवार को कहा, "यह जीत सीधे तौर पर राज्य सरकार के खिलाफ है। लोग लंबे समय से नीलांबुर की उपेक्षा से परेशान थे। यह जीत उन सबकी भावना का परिणाम है।" नीलांबुर उपचुनाव पिनाराई विजयन की नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है। कांग्रेस के आर्यदान शौकत ने सीपीएम के एम स्वराज को लगभग 11,000 वोटों से हराया। चुनाव आयोग के अनुसार, शौकत को 77,737 वोट मिले जबकि एम स्वराज को कम वोट पड़े।

### ईरान के बाद इजराइल से भी निकाले जा रहे भारतीय

## 160 लोगों का पहला बैच जॉर्डन पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते संघर्ष और इजरायली हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वाणिज्यिक उड़ानों के पूर्ण निलंबन के मद्देनजर, इजरायल और जॉर्डन में भारतीय मिशनों ने ऑपरेशन सिंधु के तहत पहले बैच को सफलतापूर्वक निकाला है। रविवार को दूतावासों के संयुक्त प्रयास से 160 भारतीय नागरिकों को इजरायल से जॉर्डन पहुंचाया गया। निकाले गए लोगों का समूह शेख हुसैन ब्रिज के ज़रिए जॉर्डन में सुरक्षित रूप से प्रवेश कर गया, जो तेल अवीव से लगभग 120 किलोमीटर दूर है। आव्रजन और सीमा संबंधी औपचारिकताओं के बाद, समूह को सीमा से 120 किलोमीटर दूर अम्मान हवाई अड्डे पर ले जाया गया, जहाँ सोमवार सुबह रवाना होने वाले विशेष निकासी विमानों के ज़रिए उनके भारत लौटने की व्यवस्था की गई। तेल अवीव में भारतीय दूतावास ने पहले ही चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया था और भारतीय नागरिकों को ऑनलाइन पोर्टल

के माध्यम से पंजीकरण करने का निर्देश दिया था। निकासी की प्राथमिकताएँ चिकित्सा आपात स्थिति, छोटे बच्चों, महिलाओं और छात्रों की उपस्थिति जैसे मानदंडों के आधार पर निर्धारित की गई थीं। दूतावास के अधिकारियों ने यात्रा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए पंजीकृत व्यक्तियों से फ़ोन और ईमेल के ज़रिए संपर्क किया। अम्मान में भारतीय दूतावास ने निकाले गए लोगों के आवास और परिवहन का जिम्मा संभाला। इजरायल और जॉर्डन दोनों सरकारों ने भारतीय नागरिकों के सुचारू और सुरक्षित पारगमन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। विदेश मंत्रालय (MEA) ने अम्मान से दिल्ली के लिए विशेष उड़ानों की भी व्यवस्था की, और दक्षिणी इजरायल में रहने वाले भारतीयों को समायोजित करने के लिए मिस्र से अतिरिक्त उड़ानों की योजना बनाई जा रही है।

मिशन ने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन सिंधु अपने प्रवासी समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इजरायल में 40,000 से अधिक भारतीय रहते हैं, इसलिए सरकार स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है।

## हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में 24 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

सिरमौर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के एक सरकारी स्कूल में 24 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आठवीं से दसवीं कक्षा की छात्राओं ने स्कूल के प्राचार्य से उत्पीड़न की शिकायत की थी जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी और शिक्षक को गिरफ्तार किया गया।

स्कूल प्रशासन ने बताया कि शुक्रवार को 24 छात्राओं ने प्राचार्य को लिखित शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिक्षक ने उन्हें गलत तरीके से छुआ है।

स्कूल प्रशासन ने बताया कि शिकायत को स्कूल की यौन उत्पीड़न रोधी समिति को भेज दिया गया था।

## शाह आज मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को वाराणसी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ–साथ प्रत्येक राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री भाग लेंगे। राज्यों के मुख्य सचिव और केन्द्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे। मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्य शामिल हैं। बैठक का आयोजन गृह मंत्रालय में अंतर–राज्य परिषद सचिवालय और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 की धारा 15 से 22 के अंतर्गत पांच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री इन पांचों क्षेत्रीय परिषदों के अध्यक्ष हैं। सदस्य राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप–राज्यपाल और प्रशासक इनके सदस्य हैं जिनमें से सदस्य राज्यों से एक राज्य के मुख्यमंत्री (हर साल बारी–बारी से) उपाध्यक्ष होते हैं। प्रत्येक सदस्य राज्य से राज्यपाल द्वारा दो मंत्रियों को परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले संबन्धित क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है। स्थायी समिति में विचार के बाद शेष मुद्दों को क्षेत्रीय परिषद की बैठक में विचार के लिए प्रस्तुत किया जाता है। क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकारी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ये विभिन्न क्षेत्रों में आपसी समझ और सहयोग के स्वस्थ बंधन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित हुई हैं।

## तकनीक के प्रयोग से लाभ खत्म कर रही है सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार व्यवस्थित तरीके से तकनीक का प्रयोग देश के सबसे कमजोर तबकों को सामाजिक कल्याण की योजनाओं से मिलने वाले लाभ से वंचित करने के लिए कर रही है।

कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि आधार को एक हथियार की तरह प्रयोग कर करोड़ों मज़दूरों को मनरेगा से बाहर कर दिया गया है। एसिड अटैक से पीड़ित महिलाओं को सिर्फ़ आधार में नाम जुड़वाने के लिए अदालत में लड़ाई लड़नी पड़ी है। देश भर के आदिवासी आज भी तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से अपने राशन से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने कहा, शडिजिटल इंडिया का मकसद सशक्तिकरण होना चाहिए, न कि अधिकार छीनना। भाषण समावेश का, व्यवहार बहिष्कार का– ये बात नहीं होनी चाहिए। श्री रमेश ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के एक परिपत्र को साझा करते हुए कहा है कि गर्भवती महिलाओं के सामने एक और बाधा खड़ी कर दी गई है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मिलने वाले बुनियादी और कानूनी अधिकारों के लिए अब फेस रिकग्निशन टेक्नोलॉजी (एफआरटी ) – चेहरा पहचान प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में इस बात के सबूत हैं कि एफआरटी जैसी तकनीक त्वचा का रंग और वर्ग के आधार पर भेदभाव करती हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे पहले भी आधार आधारित भुगतान प्रणाली और नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम ऐप जैसी तकनीक के विफल होने और रुकावट पैदा करने के सबूत सामने आ चुके हैं। संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति की 365वीं रिपोर्ट में भी इस बात का ज़िक्र किया गया था।

## देश की जनता चाहती है काम की राजनीति : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा कि पंजाब और गुजरात में उपचुनाव में पार्टी की जीत ने साबित कर दिया कि देश की जनता काम की राजनीति चाहती है। सुश्री आतिशी ने एक्स पर आज कहा लुधियाना पश्चिम और विसावदर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत ने साफ कर दिया है कि देश की जनता काम की राजनीति चाहती है। जो लोग अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करार देना चाहते थे, यह जीत उनके लिए संदेश है कि अरविंद केजरीवाल ही काम की राजनीति को देश के हर कोने में लेकर जाएंगे।

## शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण एवं प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच प्रयागराज की महिला काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना के संयोजन मे वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमाराय की अध्यक्षता में शहर समता विचार मंच के कार्यालय कर्नलगंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। इस आयोजन की मुख्य अतिथि डॉ कल्पना वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ प्रदीप चित्रांशी रहे।

यह काव्य गोष्ठी साय चार बजे से सात बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही प्रेमा राय मुख्य अतिथि डॉ कल्पना वर्मा एवन विशिष्ट अतिथि डॉ प्रदीप चित्रांशी द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया।

सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रचना सक्सेना द्वारा की गयी।

आयोजन के प्रथम सत्र में महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण हुआ। संपादकीय वाचन उमेश श्रीवास्तव ने किया ।दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसका कुशल संचालन शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में संगीता श्रीवास्तव, डॉ कल्पना वर्मा, शिव प्रताप श्रीवास्तव, केशव प्रकाश सक्सेना, मिली संजय श्रीवास्तव, रचना सक्सेना, प्रेमाराय, शंभुनाथ श्रीवास्तव, पं राकेश मालवीय शमुस्कानश, राम कुमार कुशवाहा, डॉ प्रदीप चित्रांशी, शाहीन खुशबू, शरत चन्द्र श्रीवास्तव, अभिषेक केसरवानी ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन शंभुनाथ श्रीवास्तव ने किया।

## पढ़ाई के लिए मां ने डांटा, तो छात्रा ने लगाई फांसी

प्रयागराज। एक नाबालिग छात्रा ने अपनी मां की डांट से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मां ने पढ़ाई के लिए बेटी को फटकार लगाई थी। घटना एयरपोर्ट थानाक्षेत्र के खटांगी गांव में शनिवार की बताई जा रही है। बेटी के आत्मघाती कदम से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल बना रहा। पुलिस के अनुसार, खटांगी गांव निवासी धीरेंद्र प्रताप की 14 वर्षीय बेटी नंदनी नौवीं की छात्रा थी। नंदनी को शनिवार को उसकी मां ने पढ़ाई में लापरवाही बरतने पर डांट लगाई थी। थोड़ी देर बाद धीरेंद्र प्रताप अपनी पत्नी के साथ खेत में काम करने गए थे। उनकी बेटी नंदनी घर पर ही थी। दंपती जब खेत से लौटे, तो नंदनी घर के दरवाजे के चौखट पर दुपट्टे के बने फांसी के फंदे से लटक रही थी। नंदनी को फांसी के फंदे पर लटकता देख परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि परिजनों के मुताबिक बेटी को मां ने पढ़ाई के लिए डांट लगाई थी। इससे क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर जान दे दी।

## सपरिवार वैष्णो देवी गए शिक्षक, घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

प्रयागराज। शहर के छोटा बघाड़ा में एक शिक्षक के घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये चोरी की वारदात हो गई। शिक्षक लक्ष्मी नारायण परिवार के साथ वैष्णो देवी दर्शन करने गए थे। घर लौटने पर चोरी की जानकारी हुई, तो उनकी बुजुर्ग मां को हार्ट अटैक आ गया। शिक्षक की तहरीर पर पुलिस ने डॉग स्क्वायड व फोरिसिंक टीम के साथ जांच की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है। छोटा बघाड़ा निवासी शिक्षक लक्ष्मी नारायण की तहरीर के अनुसार, 15 जून को घर में ताला बंद कर परिवार सहित वैष्णो देवी दर्शन गए थे। इधर, 19 जून को घरेलू काम करने वाली महिला जब उनके घर आई, तो ताला टूटा देखा और कमरे के अंदर बिखरा सामान व आलमारी खुली मिली। उसने पड़ोस में रहने वाले लक्ष्मी नारायण के मामा को जानकारी दी। उनके मामा ने डायल 112 पर फोन कर सूचना दी थी। लक्ष्मी नारायण 21 जून की रात घर लौटे, तो घर के अंदर चोरी की जानकारी होने पर उनकी बुजुर्ग मां को हार्ट अटैक आ गया। आनन–फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। लक्ष्मी नारायण ने रविवार को कर्नलगंज थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। चोर घर से दो हार, दो सेट कंगन, हीरे की तीन अंगूठी, हीरे के इयररिंग सहित लाखों रुपये मूल्य के जेवरात व 2.94 लाख रुपये नकदी ले गए। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी है।

## चलती ट्रेन से गिरा युवक, दाहिना पैर कटा

प्रयागराज (नैनी)। लंबी दूरी की ट्रेन में सफर के दौरान रविवार की रात शंकरगढ़ के समीप एक यात्री असंतुलित होकर गिर गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसका दाहिना पैर कट गया। ट्रेन में सवार अन्य यात्री उसे लेकर छिवकी स्टेशन पहुंचे। जीआरपी ने गंभीरावस्था में एसआरएन अस्पताल भर्ती कराया। गाजीपुर जिले का 36 वर्षीय अभय कुमार ट्रेन से पुणे से दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन जा रहा है। ट्रेन की जनरल बोगी के गेट पर अभय बैठा था। इसी बीच अचानक चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। उसका दाहिना पैर ट्रेन की चपेट में आने से कट गया। उसी ट्रेन से उसे छिवकी स्टेशन लाया गया। हालांकि स्टेशन पर स्ट्रेचर की व्यवस्था नहीं होने से माल ढोने वाली ट्राली से बाहर लाकर एंबुलेंस से एसआरएन अस्पताल भेजा गया।

## देर रात पुलिस का चेकिंग अभियान, संदिग्धों व वाहनों की जांच

प्रयागराज। प्रयागराज जोन गंगानगर की पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों पर रोकथाम के उद्देश्य से रविवार की देर रात व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। डीसीपी विवेकचंद्र यादव के निर्देश पर एक साथ 12 थानों की पुलिस ने अपने–अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर 330 संदिग्धों से पूछताछ और 426 वाहनों की जांच की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 26 वाहनों का चालान किया गया। जबकि एक ट्रक और एक बाइक को सीज किया गया। सरायइनायत पुलिस ने दो शातिर को चोरी की दो बाइक के साथ गिरफ्तार भी किया। अभियान में हंडिया, सरायममरेज, उतरांव, बहरिया, फूलपुर, मऊआइमा, सोरांव, होलागढ़, नवाबगंज, थरवई, सरायइनायत व फाफामऊ थाने की पुलिस टीम शामिल रहीं।

## 30 जून तक अध्यक्ष मिलने की संभावना

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी में तीन वर्षों से अधिक इंतजार के बाद नया अध्यक्ष मिलने की संभावना बढ़ गई है। तीस जून को अपर मुख्य सचिव भाषा व एकेडेमी के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार रिटायर हो रहे हैं। उनके रिटायर होने से पहले एकेडेमी में अध्यक्ष आने की चर्चा जोरों पर है। कर्मचारियों की मानें तो प्रयागराज से व लखनऊ से दो नाम प्रस्तावित हैं और इन्हीं तीन नामों में से किसी एक को अध्यक्ष बनाए जाने की संस्तुति अपर मुख्य सचिव कर सकते हैं। संस्तुति के लिए तीनों नामों का पैनल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपा जाएगा और वहीं से अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी।

## दिव्यांग छात्र हॉस्टल के लिए 30 सितंबर तक करें आवेदन

प्रयागराज। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से संचालित राष्ट्रीय दृष्टिबाधित छात्रावास सीपीआई परिसर एसआरएन रोड में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित एवं अस्थिबाधित दिव्यांग छात्रों से छात्रावास के लिए आवेदन मांगे किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर तय की गई है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू केंद्र, दिव्यांग छात्र प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. आलोक प्रसाद ने बताया कि यह सुविधा केवल संस्थागत रूप से उच्च शिक्षा में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है।

## उन्नाव के नितिन 10 किमी रेस वाक में बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान

प्रयागराज। उन्नाव के नितिन गुप्ता ने 23वीं राष्ट्रीय जूनियर (अंडर–20) एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन 10 किमी रेस वाक में स्वर्ण पदक जीतने के साथ राष्ट्रीय चार साल पुराना राष्ट्रीट रिकार्ड को तोड़ दिया। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में चौंपियनशिप के दूसरे दिन 39रू46.78 मिनट में 10 किमी की रेस वाक पूरी कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। इससे पहले अमित खत्री ने 2021 में 40रू40.97 मिनट का राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया था। पुरुष वर्ग के इस स्पर्धा में उत्तराखंड के हिमांशु कुमार दूसरे और बबेंद्र सिंह तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग के 10 किमी रेस वाक स्पर्धा में हरियाणा की पायल प्रथम, दिल्ली की तान्या दूसरे और उत्तर प्रदेश की सरोजनी तीसरे स्थान पर रहीं।

# कर्मचारी बीमा अस्पताल 'बीमार कैसे हो इलाज

प्रयागराज। संगमनगरी में स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं को लेकर कई ढांचागत विकास किए गए। आम आदमी के इलाज से लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और कारखानों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी अस्पतालों की स्थापना की गई। इस कड़ी में कारखानों में कार्य करने वाले कर्मचारियों और उनके परिजनों के बेहतर इलाज की सुविधा के लिए 80 के दशक में नैनी औद्योगिक क्षेत्र में करोड़ों की लागत से कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सायल की स्थापना की गई थी। अस्पताल लगभग 30 साल तक बेहतर सुविधाओं के साथ संचालित होता रहा, लेकिन 13–14 वर्षों से धीरे–धीरे अस्पताल खुद इलाज के लायक होने लगा।

एक तरफ कारखानों के बंद होने से बीमांकित लोगों की संख्या कम हुई तो सरकारी उपेक्षा का शिकार भी होता गया। वर्तमान में स्थिति अब ऐसी हो गई है अस्पताल अब मरीजों के रेफर करने का केंद्र बन गया है। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान ने 'बोले प्रयागराज शृंखला के तहत मरीजों की परेशानी जानी। भर्ती मरीजों व ओपीडी में आए मरीजों ने बातचीत में अपनी परेशानी साझा की। साथ ही अस्पताल की व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव भी दिए। देश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 60 के दशक में नैनी औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की गई। इसके लिए लगभग 2700 एकड़ में कई सार्वजनिक व निजी कारखाने स्थापित किए गए थे। कारखानों में कार्यरत हजारों कर्मचारियों के बेहतर इलाज के लिए औद्योगिक क्षेत्र में ही कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय की स्थापना की गई थी। बीमा चिकित्सालय का उद्घाटन 31 जुलाई 1981 को तत्कालीन केंद्रीय श्रम एवं नियोजन मंत्री नारायण दत्त तिवारी व तत्कालीन मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किया था। अस्पताल में दो ऑपरेशन थियेटर व 100 कर्मचारियों के रहने के लिए कॉलोनी भी बनाई गई थी। बनावट व सुविधाओं के लिहाज से जिले का 'मिनी एसआरएन माना जाने वाला कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय अब खुद बीमार हो गया है। टीएसएल, बीपीसीएल, आईटीआई, कॉटन मिल, त्रिवेणी इंजीनियरिंग, जयश्री टायर, जीईसी, रिलायंस

इंडस्ट्रीज आदि बड़ी कंपनियों के बंद हो जाने से कर्मचारियों की संख्या घटी तो कर्मचारी और नियोक्ता की ओर से बीमा अस्पताल को मिलने वाला अंशदान भी कम होता गया। कारखानों के बंद होने से अब शहर के मॉल, कुछ मिशनरी स्कूलों व छोटी इकाइयों के कर्मचारी बीमा अस्पताल का लाभ पा रहे हैं। बीमितों ने अस्पताल में संसाधन, सुविधाएं और डॉक्टरों की कमी को लेकर आवाज उठाई, लेकिन दयनीय स्थिति नहीं सुधरी। बीमा अस्पताल का लाभ पाने वाले 70 फीसदी बीमांकित लोग नैनी क्षेत्र में रहते थे। बंद हो चुकी टीएसएल, बीपीसीएल, आईटीआई, कॉटन मिल व त्रिवेणी इंजीनियरिंग कंपनियों के कर्मचारी श्रम विभाग की कॉलोनियों में परिवार के साथ रहते थे। डॉक्टरों ने बताया कि इस समय 25 हजार रुपये से कम वेतन पाने वाले सभी कर्मचारियों को राज्य बीमा चिकित्सालय का लाभ मिलने का प्रावधान है। जिस भी संस्थान व प्रतिष्ठान में 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और उनका वेतन 25 हजार से कम है तो उन्हें राज्य बीमा चिकित्सालय का लाभ मिलना चाहिए। इससे बीमा अस्पताल का अंशदान बढ़ेगा और स्थिति में सुधार होगा। सादे पेज पर चस्पा डॉक्टरों की भर्ती का विज्ञापन 'कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय में फिजिशियन, जनरल सर्जरी और आर्थो सर्जन के तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों की जरूरत है। यदि आपके मित्र, परिचित व आसपास के रहने वाले इच्छुक विशेषज्ञ संविदा पर सेवाएं दे सकते हैं तो सूचित करें...। सादे पेज पर लिखी यह सूचना किसी चौराहे पर नहीं बल्कि करोड़ों की लागत से बने नैनी स्थित बीमा चिकित्सालय के दवा काउंटर पर लगी है। वहीं डॉक्टर हैं कि नहीं इसकी सूचना के लिए लगे लकड़ी के बॉक्स पैनल में 15 डॉक्टरों की जगह दो डॉक्टर के नाम लिखे हैं और उनके सामने भी 'बाहर की पट्टी लगी है। डॉक्टर से लेकर वार्ड ब्वॉय तक की कमी अस्पताल में डॉक्टर से लेकर वार्ड ब्वॉय तक की कमी है। इसलिए मरीजों की सही देखभाल नहीं हो पा रही है। अस्पताल में इस समय ईएनटी, नेत्र, बाल रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट के पद रिक्त हैं। नर्स के 19 स्वीकृत पदों में छह कार्यरत हैं। जबकि अन्य 46 पदों से 21 कार्यरत हैं। कर्मचारियों की कमी से मरीजों को मजबूरी में प्राइवेट अस्पताल में जाना पड़ता है। ईएनटी व आर्थो विभाग बंद, धूल खा रहे उपकरण बीमा अस्पताल की दूसरी मंजिल पर स्थित ईएनटी व आर्थो विभाग के सभी कमरों पर ताले लगे हैं। प्रयोगशाला के उपकरण धूल से अपनी पहचान खो दिए हैं। दूसरे तल पर विभाग बंद होने से चारों तरफ गंदगी फैली है। अस्पताल में 10 साल से कोई आयुर्वेदिक डॉक्टर नहीं है तो पांच साल से होम्योपैथिक विभाग में फार्मासिस्ट नहीं है। अस्पताल में दो ऑपरेशन थियेटर हैं, लेकिन ऑपरेशन के नाम पर केवल हार्निया, हाइड्रोसील व प्रसव ही कराया जाता है। अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन लगी है लेकिन तकनीशियन न होने के कारण जांच ठप है। स्थिति यह है कि 100 बेड के अस्पताल में लगभग 20 मरीज भर्ती हैं। ओपीडी में 100 से 150 मरीज प्रतिदिन आते हैं। पांच क्लीनिक से जुड़े हैं 1.40 लाख कार्डधारक कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय नैनी से जुड़ी पांच क्लीनिक के बीमांकितों व उनके माता–पिता, बेटा–बेटी का निरूशुल्क इलाज किया जाता है। संबद्ध क्लीनिक में कृति स्कैनिंग के पास सिविल लाइंस, मम्फोर्डगंज फौवारा चौराहा, कॉटन मिल के पास नैनी प्रथम, सड़वां कॉलोनी आईटीआई कंपनी के पास और मिर्जापुर टीबी अस्पताल परिसर की क्लीनिक शामिल है। वर्तमान में पांचों क्लीनिक से लगभग 1.40 लाख बीमांकित लोग पंजीकृत हैं। कॉटन मिल के पास नैनी प्रथम क्लीनिक लगभग 40 साल से किराए पर संचालित है, जिसे जल्दी ही नैनी कोतवाली के पास स्थित बीएसएनएल कार्यालय में स्थानांतरित कर दी जाएगी। सिविल लाइंस और कॉटन मिल के पास स्थित क्लीनिक से सबसे ज्यादा मरीज बीमा अस्पताल के लिए रेफर किए जाते हैं। यहां अन्य क्लीनिक से अधिक बीमांकित पंजीकृत हैं। बीमा अस्पताल से मरीजों को एसआरएन, बेली, कॉल्विन व पांच निजी अस्पतालों में रेफर किया जाता है। अस्पताल में अग्निशमन उपकरण हो रहे खराब अस्पताल में अग्नि दुर्घटना को रोकने के लिए फायर हाईड्रेंट प्वाइंट बने हैं, लेकिन प्रथम और द्वितीय तल पर लगे हाईड्रेंट प्वाइंट क्रियाशील नहीं हैं। इसलिए अग्नि दुर्घटना की स्थिति में हाईड्रेंट प्वाइंट का उपयोग नहीं हो पाएगा। अस्पताल में लगी लिफ्ट उपयोग न होने से खराब हो गई है। लिफ्ट के गेट पर चौनल में ताला लगा दिया गया है। शिकायतें – डॉक्टर, नर्स और स्टॉफ की नियुक्ति नहीं की जा रही। – सीटी स्कैन की जांच न होने से मरीज परेशान हो रहे। – वार्डों में पर्याप्त साफ–सफाई नहीं है। – अग्नि सुरक्षा उपकरण क्रियाशील नहीं हैं, देखभाल नहीं होती। – इलाज की समुचित सुविधाएं न होने से मरीज रेफर कर दिए जाते हैं। सुझाव – स्वीकृत पदों पर नर्स और स्टॉफ की नियुक्ति की जाए। – अस्पताल में जांच की सुविधा को बेहतर बनाया जाए। – वार्डों में पर्याप्त साफ–सफाई की व्यवस्था की जाए। – अस्पताल में एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए। – मरीजों को रेफर करने के बजाए इलाज की व्यवस्था की जाए। हमारी भी सुनें नैनी क्षेत्र का यह सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है। इसमें सभी लोगों के इलाज की सुविधा होनी चाहिए। इससे आसपास के लोगों को सहूलियत होगी। –आशुतोष बीमा चिकित्सालय में पहले अच्छी सुविधाएं मिलती थीं। लेकिन अब इसमें बहुत गिरावट आ गई है। मरीजों के वार्ड में एसी की व्यवस्था होनी चाहिए। –अजय कुमार दवा से लेकर बेहतर इलाज की सभी सुविधाएं अस्पताल में होनी चाहिए। मरीज को रेफर कर देने से परेशानी बढ़ जाती है। जांच की मशीनें सही करानी चाहिए। – अंकित डॉक्टरों और कर्मचारियों की कमी और दवाइयों के अभाव में सही तरीके से इलाज नहीं हो पा रहा है। छोटी–छोटी बीमारी के लिए कई दिन तक इलाज होता है। –राम अवध अस्पताल में जांच की सुविधा कम है। कई जरूरी जांच के लिए शहर के अस्पताल में जाना पड़ता है। यदि सभी जांच अस्पताल में होने लगे तो सहूलियत होगी। –रेनू

## जनरथ को पीछे छोड़ यात्रियों को भा रहीं ई–शटल बसें

प्रयागराज। प्रयागराज से लखनऊ जाने वाले यात्रियों की पहली पसंद अब जनरथ नहीं बल्कि इलेक्ट्रिक शटल बसें बनती जा रही हैं। महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज को मिली 20 इलेक्ट्रिक अटल बसों में से कुछ बसों का संचालन फिलहाल लखनऊ रूट पर किया जा रहा है, जो यात्रियों को काफी पसंद आ रहा है। प्रयागराज रोडवेज के अधिकारियों के अनुसार इन ई–शटल बसों में लगभग 60 प्रतिशत यात्री लखनऊ के लिए सफर कर रहे हैं। वहीं जनरथ सेवा की यात्रियों में कमी साफ देखी जा रही है। लखनऊ की एक ट्रिप में शटल बसें में 67 यात्री तो जनरथ में 51 यात्री औसत सफर

कर रहे हैं। नई ई–बसें आधुनिक तकनीक से लैस हैं, प्रदूषण रहित हैं और इनका सफर आरामदायक है, यही वजह है कि यात्रियों का रुझान तेजी से इनकी ओर बढ़ा है। हालांकि, महाकुम्भ से पहले जिन धार्मिक स्थलों जैसे बनारस, अयोध्या और विंध्याचल के लिए भी इन ई–बसों को चलाने की योजना थी, वह पूरी नहीं हो सकी। प्रयागराज के अलावा अन्य शहरों में चार्जिंग स्टेशन न होने के कारण फिलहाल केवल प्रयागराज–लखनऊ रूट पर ही इनका संचालन संभव हो सका है। परिवहन विभाग ने बताया कि जैसे ही अयोध्या, बनारस और मिर्जापुर में इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन तैयार हो जाएंगे, वहां भी शटल सेवा शुरू कर दी जाएगी। इन स्टेशनों के निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

## वैचारिक शिक्षक एसोसिएशन ने बीएसए का किया स्वागत

प्रयागराज। वैचारिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में प्रयागराज के नवनियुक्त बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह को बुके देकर स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह ने शिक्षकों, कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। बीएसए देवब्रत सिंह ने आश्वस्त किया कि समस्याओं का त्वरित निस्तारण होगा और लोगों को कोई परेशानी नहीं होगी। प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय महामंत्री दिनेश

वर्मा, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, प्रांतीय कोषाध्यक्ष लालमणि पटेल, प्रांतीय उपाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, मंडल उपाध्यक्ष दया शंकर गुप्ता, मंडल मंत्री वेद प्रकाश सिंह, हरिकृष्ण सिंह आदि ने माल्यार्पण करके बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

## चुनाव नजदीक आने पर याद आया उत्सव भवन

प्रयागराज। ग्रामीणों को विवाह आदि आयोजन के लिए शहरों की ओर न भटकना पड़े और उन्हें अपने ही गांव में ऐसे आयोजन के लिए बेहतर व्यवस्था मिल जाए, इसके लिए शासन ने तो पंचायत उत्सव भवन का प्रावधान किया, लेकिन प्रयागराज में एक भी जगह पंचायत उत्सव भवन बन नहीं सका। जनप्रतिनिधियों को इसकी याद तब आई है, जब पंचायत चुनाव में महज एक वर्ष का समय बचा है। ग्रामीण इलाकों में विवाह आदि आयोजन के लिए प्रदेश सरकार ने विवाह उत्सव भवन के लिए व्यवस्था की थी। पंचायतीराज विभाग को इसके लिए आवेदन देना होता है और एक करोड़ 41 लाख रुपये का बजट कुछ शर्तों को पूरा करने पर दिया जाता है। जिले में 1540 ग्राम पंचायतें हैं और पंचायत चुनाव को बीते चार साल हो चुके हैं। इन चार साल में एक भी प्रस्ताव नहीं आया। अब जबकि चुनावी साल नजदीक आया तो लोगों ने डीडीओ के यहां आवेदनों की भरमार लगा दी। सैकड़ों आवेदन पत्र आए हैं। जिसमें से शर्तों को पूरी करने वाला महज एक आवेदन है। इसका सर्वे कराया जाएगा। अगर सही हुआ तो बजट आवंटित किया जाएगा। डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी ने बताया कि एक प्रस्ताव मिला है, जिस पर काम चल रहा है।

## अमित मीना बने आरपीएफ प्रभारी

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन के नए आरपीएफ प्रभारी अमित मीना ने पद संभाल लिया है। इससे पूर्व वह एनसीआर मुख्यालय में तैनात थे। राजस्थान के रहने वाले अमित ने इससे पूर्व झांसी आरपीएफ पोस्ट और ग्वालियर आरपीएफ पोस्ट जैसे महत्वपूर्ण जगह पर सेवा दे चुके हैं। प्रयागराज में तैनात रहे शिव प्रकाश सिंह का कुछ दिन पहले ही ट्रांसफर हुआ था।

## नाडा की टीम ने शुरू किया डोप टेस्ट

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में रविवार से शुरू हुई 23 राष्ट्रीय जूनियर फेडरेशन एथलेटिक्स चौंपियनशिप की स्पर्धाओं के मेडल विजेताओं का नाडा (नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी) ने डोप टेस्ट शुरू कर दिया है। चौंपियनशिप के पहले दिन नाडा ने कम से कम तीन स्पर्धा के स्वर्ण पदक विजेतओं का डोप टेस्ट किया। खिलाड़ियों के डोप टेस्ट को गोपनीय रखा गया है। स्पर्धा के फिनिशिंग प्वाइंट पर आम लोगों के तरह खड़े एजेंसी के सदस्यो की नजर खास तौर पर अलग–अलग स्पर्धा के विजेताओं पर थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही स्पर्धा समाप्त हुई, एजेंसी के सदस्य संदेह होने पर विजेता को लेकर गए और पेशाब के नमूने लिए।

## 24 घंटे में सवा दो फीट बढ़ा यमुना का जलस्तर

प्रयागराज। प्रयागराज और आसपास के जिलों में पिछले दिनों हुई बारिश का प्रभाव गंगा–यमुना में दिखाई पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में बारिश के चलते प्रयागराज में यमुना का जलस्तर 24 घंटे में सवा दो फीट बढ़ गया। गंगा का जलस्तर डेढ़ फीट से अधिक बढ़ा है। नैनी में सोमवार को यमुना का जलस्तर 27 सेमी बढ़कर 71.84 मीटर पहुंच गया। वहीं छतनाग में गंगा के जलस्तर में 17 में वृद्धि हुई है। सुबह आठ बजे छतनाग में गंगा का जलस्तर 71.07 मीटर और फाफामऊ में छह सेमी वृद्धि के साथ 75.89 मीटर पहुंच गया। बैराजों से भी गंगा में पानी छोड़ने की मात्रा बढ़ाई जा रही है। सोमावार को हरिद्वार बैराज से रविवार को 37611 क्यूसेक, नरोरा 5201 क्यूसेक और कानपुर बैराज से लगातार दूसरे दिन 5155 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। सिंचाई विभाग बाढ़ प्रखंड कंट्रोल रूम का दावा है कि यमुना का जलस्तर घटने की संभावना है। हमीरपुर में यमुना का जलस्तर घट रहा है।

## सात दिन में तीन भर्तियां निकालेगा एसएससी

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) सात दिनों में तीन बड़ी भर्तियों के लिए आवेदन शुरू करेगा। आयोग की सबसे प्रमुख भर्तियों में से एक कंबाइंड हायर सेकेंडरी लेवल (सीएचएसएल) एग्जाम 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन सोमवार से संभावित है। इच्छुक अभ्यर्थी 18 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे और पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा आठ से 18 सितंबर तक प्रस्तावित है। इसके अलावा 26 जून से मल्टी टास्किंग (नॉन–टेक्निकल) स्टाफ और हवलदार भर्ती के लिए आवेदन 26 जून से शुरू होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 24 जुलाई तक आवेदन करेंगे और परीक्षा 20 सितंबर से 24 अक्टूबर के बीच संभावित है। वहीं जूनियर इंजीनियर (सिविल, मेकैनिकल, इलेक्ट्रिकल) परीक्षा 2025 के लिए आवेदन 30 जून से लिए जाएंगे। अभ्यर्थी 21 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे और परीक्षा 27 से 31 अक्टूबर तक कराई जाएगी।

## महिलाओं को सपा से जोड़ने हेतु अभियान चलाएंगे: अनिता कश्यप

मुजफ्फरनगर। समाजवादी महिला सम्मेलन लखनऊ में हजारों महिलाओं की उपस्थिति में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व सपा सांसद डिंपल यादव द्वारा समाजवादी पार्टी में

राजनीतिक हिस्सेदारी सुरक्षा सम्मान व 2027 में सपा सरकार बनने पर महिलाओं को अनेक योजनाओं से लाभ की घोषणा पर समाजवादी महिला सभा प्रदेश सचिव अनिता कश्यप ने महिलाओं को समाजवादी पार्टी से जोड़ने हेतु व्यापक अभियान चलाने की घोषणा की। समाजवादी महिला सभा प्रदेश सचिव अनिता कश्यप ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं को सम्मान सुरक्षा व राजनीतिक हिस्सेदारी देने,पीडीए के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में अग्रणी है। अनिता कश्यप ने कहा कि 2027 में सपा सरकार बनाने के लिए महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हेतु वह विशेष अभियान चलाएंगी।

## नरेश भारद्वाज जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत

मुजफ्फरनगर। पत्रकारों की राष्ट्रिय संस्था जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रिय अध्यक्ष राजीव गोयल ने जर्नलिस्ट एसोसिएशन पश्चिमांचल के प्रदेश अध्यक्ष नरेश भारद्वाज को राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव गोयल ने श्री भारद्वाज का मनोनयन पत्र जारी कर उनसे अपेक्षा व्यक्त की है कि वेह पत्रकारों के हितों के लिए सक्रीय होकर कार्य

करते रहेंगे। राष्ट्रीय महासचिव नरेश भारद्वाज ने एक बयान में कहा है कि देश में पत्रकारों व् उनके परिवारों की काफी समस्याएं लंबित हैं जिन्हें उचित प्लेटफोर्म पर उठाया जायेगा द्य इसके अलावा पत्राकारों के वेलफेयर और उनके सामाजिक उत्थान के लिए राष्ट्रीय संस्था सक्रीय होकर कार्य करेगी द्य पत्रकारों के लिए प्राधिकरणों द्वारा सस्ते दर पर भूखंड एवं मकान पत्रकार सुरक्षा गारंटी कानून एवं पेंशन योजना जैसे अहम् मुद्दे लंबित हैं द्य जिनको लेकर संस्था पत्रकारों को एक जुट होकर कार्य करेगी।

## भगवत सिंह यादव अध्यक्ष व सौरभ सिंह सचिव निर्विरोध निर्वाचित

मोरना। हरबीरी देवी भोपाल सिंह डिग्री कॉलेज युसुफपुर की प्रबन्ध समिति का चुनाव सोमवार को निर्विरोध सम्पन्न हुआ, जिसमें भगवत सिंह यादव अध्यक्ष व सौरभ सिंह सचिव बने। नवनिर्वाचित प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। चौ. छोटूराम डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर एवं

चुनाव अधिकारी डॉ0 ओमबीर सिंह ने बताया कि महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के चुनाव में सोमवार को अध्यक्ष पद पर भगवत सिंह यादव, उपाध्यक्ष पद पर विजेन्द्र सिंह, सचिव पर सौरभ सिंह, सहसचिव पर अभय सिंघल, कोषाध्यक्ष अनुकूल कुच्छल तथा पांच सदस्य पदों पर निरंजन सिंह, ऊषा देवी, शिमलेश कुमार, परविन्द्रर, सुनील, बेबी देवी ने नामांकन किया। सभी पदों पर एक एक नामांकन होने के कारण प्रबन्ध समिति के सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस दौरान मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय सहारनपुर से पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. विनोद कुमार, प्राचार्य विजय कुमार शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी आशीष कुमार, अंकित कुमार, सुशील आदि मौजूद रहे।

## मुज़फ्फ़रनगर में तालाब में डूबे मासूम का शव नहीं मिला, गुस्साए ग्रामीणों ने किया हाईवे जाम

मुज़फ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के शेरनगर गांव में तालाब में डूबे मासूम के शव की बरामदगी न होने से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सोमवार को नेशनल हाईवे–58 पर जाम लगा दिया। करीब एक घंटे तक चले इस प्रदर्शन के कारण हाईवे के दोनों ओर

लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। मौके पर पहुंची नई मंडी पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझा–बुझाकर शांत कराया और जाम को खुलवाया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन के अधिकारी केवल मौके पर आकर औपचारिकता निभा रहे हैं, जबकि बच्चे को खोजने के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। बीजेपी नेता तरुण पाल ने बताया कि रविवार सुबह बारिश के दौरान तीन साल का एक मासूम तालाब में गिर गया था, जो अब तक लापता है। तालाब में भारी गंदगी और घास होने के कारण शव की तलाश में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक टीम और ग्रामीण लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली हैस इसी लापरवाही और देरी से नाराज होकर ग्रामीणों ने आज सड़क पर उतरकर विरोध जताया। प्रशासन द्वारा समझाइश के बाद जाम हटाया गया, लेकिन गांव वालों की मांग है कि तलाशी अभियान तेज किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

# परिसर में महाप्रबंधक का किया गया स्वागत

मुजफ्फरनगर। गांधी पॉलिटेक्निक मुज़फ्फरनगर के पुरातन छात्र इं० राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक, एस जे वी एन लिमिटेड, भारत सरकार अपने दिल्ली कार्यालय से ऋषिकेश जाते हुए गांधी पॉलिटेक्निक मुज़फ्फरनगर परिसर में पधारे, जहां प्रधानाचार्य इं० राजीव सिंह की अध्यक्षता में उनका स्वागत सम्मान किया गया ।

भारत सरकार की नवरत्न कम्पनी के मुख्य महाप्रबंधक इं० राजेश गुप्ता ने कहा कि 39 वर्षों बाद पॉलिटेक्निक पहुंचने पर उन्हें असीम आनंद का अनुभव हुआ उन्होंने पॉलिटेक्निक के संस्थापक पद्म भूषण वीतराग स्वामी कल्याणदेव को नमन करते हुए बारी–बारी से अपने समय के समस्त शिक्षकों की जानकारी ली और अपने समय के शिक्षण कक्षों, पुस्तकालय, लैबोरेट्री आदि का

अवलोकन करते हुए पॉलिटेक्निक परिसर का भ्रमण किया ।

पॉलिटेक्निक प्रधानाचार्य इं० राजीव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे लिए गौरव का विषय है कि मुज़फ्फरनगर की गांधी पॉलिटेक्निक से शिक्षित पुरातन छात्र आज केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में शीर्षस्थ पदों पर कार्यरत होकर मुज़फ्फरनगर व गांधी पॉलिटेक्निक को गौरवान्वित कर रहे हैं व स्वामी कल्याणदेव जी का नाम रोशन कर रहें हैं ।

एलुमनी एसोसिएशन के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल के संयोजन व संचालन में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में सिविल इन्जीनियरिंग के विभागाध्यक्ष इं० मनोज गर्ग, इलेक्ट्रिकल इन्जीनियरिंग के विभागाध्यक्ष इं० आर के वर्मा, सिविल इन्जीनियरिंग के प्रवक्ता इं० अंकित कुमार, इं० संजय गोयल, राकेश अरोरा, नैना शर्मा, अंग्रेजी के प्रवक्ता अनुज कुमार, भौतिकी के प्रवक्ता नरेंद्र पाठक, मोहन अरोरा आदि उपस्थित रहे।

# किसान मजदूर इंटर कॉलेज में कम्प्यूटर कक्ष का हुआ लोकार्पण

मोरना। किसान मजदूर इंटर कॉलेज चौरावाला के उप प्रधानाचार्य सुभाष बाबू ने अपने पिता व कॉलेज के संस्थापक चौ. धर्मसिंह चाहल की स्मृति में कम्प्यूटर कक्ष का निर्माण कराया, जिसका लोकार्पण जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, भाजपा एमएलसी वंदना वर्मा, मीरापुर विधायक मिथलेश पाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ स्व. धर्म सिंह के चित्र सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि वंदना वर्मा ने कहा कि शिक्षा के बदलते परिवेश मे संसाधनों की आवश्यकताएं भी बदल गयी हैं। यह एक सराहनीय प्रयास है। डॉ. निर्वाल ने कहा कि चौधरी धर्मसिंह चाहल गऊ चरागाह कल्याण समिति व किसान इंटर कॉलिज ककरौली के संस्थापक थे। उन्होंने शिक्षा व समाज सेवा मे अपने जीवन को समर्पित किया।आज उन्ही की स्मृति मे सेवा कार्यों को जारी रखना प्रशनसनीय है।प्रधानाचार्य पंकज माहेश्वरी ने कहा कि स्व. चौ. धर्मसिंह चाहल के पुत्र सुभाष बाबू ने कॉलेज में कम्प्यूटर कक्ष का निर्माण कराकर कॉलेज के प्रति उनके पिता के समर्पण को चरितार्थ किया है। इसके अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष यशपाल पंवार, आचार्य प्रेम शंकर मिश्रा आदि ने भी चौधरी धर्मसिंह की समाज सेवाओं पर प्रकाश डाला कार्यक्रम की अध्यक्षता कमैटी अध्यक्ष फूलसिंह व संचालन प्रधानाचार्य पंकज माहेश्वरी ने किया। इस दौरान वैद्य इन्द्रपाल, प्रेमशंकर मिश्रा, कृष्णपाल सिंह, उ0प्र0 सीनियर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मगनवीर सिंह, प्रबंध समिति के प्रबंधक बत्तूसिंह चाहल, शिवकुमार गर्ग, कपिल तोमर, अमित पंवार, चौ. ब्रजवीर सिंह, बेदवीर सिंह, डॉ. महकार सिंह, चौ. सुरेन्द्र सिंह, पं. विनोद शर्मा मंडल अध्यक्ष अरूण पाल, विनोद बाबू,रविन्द्र बेनीवाल, डॉ. संजू शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# केजीएमयू में भाई के इलाज के लिए चीखती रही बहन

### बोली–ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं दे रहे हैं, गार्ड मोबाइल छीन रहे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में भाई के इलाज के लिए बहन के चीखने–चिल्लाने का वीडियो वायरल हुआ है। वो भाई को इलाज नहीं मिलने की बात कह रही है। जोर–जोर से चीखकर गार्डों पर मारपीट और जबरदस्ती करने का आरोप लगा रही है। वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है। केजीएमयू प्रशासन की जांच में मारपीट की बात सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर 21 सेकेंड का वीडियो वायरल हुआ है। उसमें एक महिला चीख–पुकार मचा रही है। वो कह रही है कि इस अस्पताल में क्या हो रहा है? मेरे साथ जबरदस्ती कर रहे हैं। मुझे मार रहे हैं। मेरे भाई का इलाज ही नहीं कर रहे हैं। उसको ऑक्सीजन की जरूरत है। यह लोग दे नहीं रहे हैं। गार्ड मेरा फोन छीनने आ रहे हैं। ये देखिए ये लोग मुझे परेशान कर रहे हैं। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि मरीज को बेहद गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर लाया गया था। मरीज की सांस टूट रही थी। डॉक्टर कोई सुनवाई नहीं कर रहे थे। जब ऑक्सीजन सपोर्ट देने की गुहार लगाई तो डॉक्टर और स्टाफ भड़क गए। इस बीच जैसी से परिजन की तरफ से मोबाइल निकाला गया तो तुरंत गार्ड ने झपट्टा मारा। वो मोबाइल छीनने लगा। ट्रॉमा सेंटर के स्टाफ ने निडिल से हमला किया। केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. के.के. सिंह का कहना है कि वीडियो की जांच की गई है। मारपीट का कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिला है। वीडियो में गार्ड सिर्फ महिला की ओर जाते नजर आ रहे हैं। इसमें किसी प्रकार की आक्रामकता नजर नहीं आ रही है। वीडियो बनाने वाले ने हमला करने का आरोप लगाया है, लेकिन वीडियो में ऐसा कुछ नहीं है। वीडियो में ट्रॉमा सेंटर के सभी बेड भरे दिख रहे हैं। क्षमता से डेढ़ गुना अधिक मरीजों

का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो शनिवार का लग रहा। किसी के साथ मारपीट नहीं हुई है। ये पहला मौका नहीं है जब ट्रॉमा सेंटर में मरीजों और तीमारदारों से मारपीट की घटना सामने आई है। पहले भी कई बार इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए है। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसी शिकायतों पर गोलमोल जवाब देकर कार्रवाई करने से बचता रहा है। सामान्य बैकग्राउंड के गंभीर मरीजों को यहां इलाज मिलना बेहद मुश्किल रहता है। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर 2023 में शुरू हुआ था। यह चार मंजिला भवन में चलता है। इसकी क्षमता इस समय करीब 400 बेड की है। यहां इससे ज्यादा मरीज रोजाना आते हैं। ऐसे में काफी मरीजों को लौटना पड़ता है। 500 बेड का ट्रॉमा सेंटर का फेस–2 तैयार किए जाने का प्लान है।

# पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित, प्रवेश काउंसलिंग 27 जून से 14 अगस्त तक होगी

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के पॉलीटेक्निक संस्थानों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2025 का परीक्षा परिणाम आज 23 जून को जारी कर दिया गया है। छात्र इसे परिषद की वेबसाइट www.jeecup.admissions.nic.in पर भी देख सकते है। परिषद द्वारा वर्ष 2025 के लिए आयोजित यह परीक्षा 5 से 13 जून के मध्य कम्प्यूटर आधारित पद्धति से सम्पन्न करायी गयी थी। इस परीक्षा के लिए कुल 19 ग्रुपों में आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसके सापेक्ष कुल 4,25,993 आवेदन प्राप्त हुए। प्रवेश परीक्षा में कुल 3,31,193 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 3,31,174 अभ्यर्थी काउन्सिलिंग हेतु अर्ह पाए गए हैं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने

बताया कि परीक्षा परिणाम में ग्रुप ए में झांसी के शुभ दीक्षित, ग्रुप बी में संत रविदास नगर के अनुज प्रताप, ग्रुप सी में जौनपुर के दशरथ यादव, ग्रुप डी में अयोध्या के आशीष तिवारी, ग्रुप ई में आगरा के तेजवीर सिंह, ग्रुप एफ में गोरखपुर की अंजिली शर्मा, ग्रुप जी में बस्ती के हर्ष श्रीवास्तव, ग्रुप एच में आजमगढ़ के सत्यपाल पाण्डेय, ग्रुप आई में गाजीपुर के अभिनव चौहान, ग्रुप के–1 में बलिया के शैलेश कुमार चौहान, ग्रुप के–2 में बिहार के जय प्रताप, ग्रुप के–3 में कन्नौज के अक्षय कुमार, ग्रुप के–4 में बलिया के सोनू कुमार वर्मा, ग्रुप के–5 में देवरिया के अतीक मंसूरी, ग्रुप के–6 में वाराणसी की अवंतिका, ग्रुप के–8 में गाजीपुर के हिमांशु कुमार तथा ग्रुप एल में अलीगढ़ के अशिष जाधव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सचिव ने बताया कि अभ्यर्थी परिषद की वेबसाइट www.jeecup.admissions.nic.in पर अपनी लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से परीक्षा परिणाम एवं स्कोर कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। काउन्सिलिंग प्रक्रिया 27 जून से प्रारंभ होकर 14 अगस्त तक कुल पांच चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें मुख्य एवं विशेष दोनों चरण सम्मिलित हैं। प्रदेश के राजकीय, अनुदानित, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप एवं निजी क्षेत्र की पॉलीटेक्निक संस्थाओं में संचालित एक, दो एवं तीन वर्षीय इंजीनियरिंग, फार्मेसी एवं अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु यह काउन्सिलिंग आयोजित की जा रही है।

## हुस्न आरा आम

(कुण्डलिया)

सुता हुस्न आरा कहे, पिता दशहरी आम।
मिर्जा हसनू की कृपा, दिया उन्होंने नाम।
दिया उन्होंने नाम, रंग माँ का है पाया।
कीमत दो सौ पार, किसानों में है छाया।
सुन लो कहें प्रदीप,रूप जिसका है प्यारा।
मलिका है वह आम, नाम है हुस्न आरा।।

छिलका पतला सेब–सा, आकर्षक आकार।
उसे हुस्न आरा कहे, आमों का संसार।
आमों का संसार,बताता हैं महरानी।
चूनर ओढ़े लाल,स्वाद है मीठा शाही।
सुन लो कहें प्रदीप,फैलता सौरभ जिसका।
गूदा है रसदार, चमकता उसका छिलका।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## सपा ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाला... राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और मनोज कुमार पांडेय पर बड़ा एक्शन

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) ने तीन विधायकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सपा ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया है। पार्टी ने विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और मनोज कुमार पांडेय पर कार्रवाई की है। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए समाजवादी पार्टी ने जानकारी दी है कि विधायक अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को उनकी सांप्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता और किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी, कारोबारी विरोधी , नौकरीपेशा

विरोधी और 'पीडीए विरोधी' विचारधारा का समर्थन करने के कारणष निष्कासित कर दिया। गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह, गौरीगंज सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज कुमार पाण्डेय पर समाजवादी पार्टी ने एक्शन लिया है। पोस्ट में लिखा है कि इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गई 'अनुग्रह–अवधि' की समय–सीमा अब पूरी हुई, शेष की समय–सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है। भविष्य में भी 'जन–विरोधी' लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा और पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियां सदैव अक्षम्य मानी जाएंगी। जहां रहें, विश्वसनीय रहें।

मनोज पांडेय के घर गए थे अमित शाह

मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ी थी। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद से वह भाजपा के खेमे में आ गए थे। लोकसभा चुनाव के पहले रायबरेली सीट से इस बात के भी संकेत मिल रहे थे कि हो सकता है कि मनोज पांडेय को ही टिकट दे दिया जाए। बाद में दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से टिकट मिला। खास बात यह रही कि मनोज पांडेय ने दिनेश प्रताप सिंह की सभाओं से दूरी बनाई थी। उनकी नाराजगी को भांपकर गृहमंत्री अमित शाह उनसे मिलने के लिए घर गए थे। इसके बाद वह चुनाव प्रचार के लिए निकले थे।

## राजधानी में कई इलाकों में हल्की बारिश, अगले 4 दिन होगी अच्छी बरसात

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सुबह से बादल छाए हुए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई है। इससे लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। दिन में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। देर रात न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में अधिकतर समय बादल छाए रहने के साथ में बरसात की

संभावना जताई गई है। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री रहा। दिन में कई बार बारिश के साथ धूप–छांव की स्थिति बनी रही। बारिश से जहां लोगों को राहत मिली, वहीं कुछ इलाकों में धूप के चलते उमसभरी गर्मी भी रही। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून के चलते अगले चार दिनों तक लगातार बारिश की संभावना बनी हुई है। 24 और 25 जून को अच्छी बारिश के आसार हैं। इसके बाद बारिश का दौर हल्का होगा।

# सम्पादकीय........

## कचरा प्रबंधन भी है संभावनाओं का क्षेत्र

घरों, उद्योगों और व्यावसायिक गतिविधियों से लगातार निकलने वाले कचरे का बेहतर ढंग से निपटान बड़ी चुनौती है। हालांकि बदली स्थितियों में वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर कुछ नये व सकारात्मक समाधान सामने आये हैं। जैसे रिसाइक्लिंग करना व बेकार समझी जाने वाले सामान से कुछ उपयोगी वस्तुएं बनाना। दरअसल, कुछ कचरे को केवल हटाने की नहीं, समझने और संवारने की जरूरत है– क्योंकि अब यह पर्यावरण मुद्दे के अलावा अर्थव्यवस्था, रोजगार का भी आधार बन गया है। केवल घरों से रोजाना फेंके जाने वाले सब्जियों के छिलके, प्लास्टिक थैलियां, टूटे खिलौने, अखब्बार, बोतलें– सब मिलकर भारत में प्रतिदिन 1.5 लाख टन ठोस कचरा उत्पन्न करते हैं। इसका सिर्फ 25–30 प्रतिशत हिस्सा ही वैज्ञानिक रूप से प्रोसेस हो पाता है। लेकिन अब वेस्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की नई पीढ़ी कचरे को कंचन में बदलने का काम कर रही है। कचरा प्रबंधन में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में कैरियर विकल्प मौजूद हैं। आज जरूरत है सॉर्टिंग एक्सपर्ट्स, रिसाइक्लिंग टेक्नीशियनों, कचरा विश्लेषकों, कंपोस्ट विशेषज्ञों और प्लास्टिक प्रबंधन सलाहकारों की। ये प्रोफेशनल नगर पालिकाओं और सरकारों के साथ कार्य करते हैं, वहीं स्टार्टअप्स, सीएसआर प्रोजेक्ट्स और पर्यावरणीय संगठनों से भी जुड़कर बदलाव ला रहे हैं। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अनुसार, 2024 तक देश के 70 प्रतिशत से अधिक कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण किया जाने लगा है–यह काम हजारों प्रशिक्षित वेस्ट वर्कर्स द्वारा किया जा रहा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, रिसाइक्लिंग इंडस्ट्री हर साल 40,000 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है और इसमें 20 लाख से अधिक रोजगार सृजित हो रहे हैं। सीपीसीबी यानी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, ई–वेस्ट और प्लास्टिक वेस्ट के लिए अलग–अलग संग्रह केंद्रों और प्रोसेसिंग यूनिट्स में विशेषज्ञों की भारी कमी है। ऐसे में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सुनहरा अवसर बन चुका है। कचरा अब देश की अर्थव्यवस्था में एक नई धारा का निर्माण कर रहा है। एक राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में छपी हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रीसाइक्लिंग इंडस्ट्री वर्ष 2047 तक 25 लाख करोड़ रुपये यानी 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। इस अद्भुत आर्थिक संभावना का आधार है देश में उभरती हुई सर्कुलर इकॉनमी की अवधारणा, जो 'टेक–मेक–डिस्पोज' वाले पुराने मॉडल को पीछे छोड़, संसाधनों के दोबारा उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ उत्पादन प्रणाली को प्रोत्साहित कर रही है। भारत सरकार इस दिशा में सक्रियता से कदम बढ़ा रही है–ईपीआर यानी एक्सपेंडेड प्रोड्यूसर रेस्पॉन्सिबिलिटी जैसी नीतियों के माध्यम से प्लास्टिक, ई–वेस्ट, बैटरियों और उपयुक्त तेलों के पुनर्प्रयोग को अब कानूनी ढांचे में लाया जा रहा है। यह पर्यावरण रक्षा के साथ ही अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि पैकेजिंग उद्योग 'सर्कुलर' मॉडल अपनाता है, तो 6.5 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक मूल्य उत्पन्न हो सकता है और 65 लाख ग्रीन जॉब्स पैदा हो सकते हैं। कचरा प्रबंधन का क्षेत्र शैक्षणिक योग्यता के सभी स्तरों के युवाओं के लिए उपयुक्त है। अगर कोई छात्र 10वीं या 12वीं पास है, तो वह सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, कंपोस्टिंग, या वेस्ट सेग्रिगेशन जैसे शॉर्ट टर्म कोर्स (3 से 6 माह) कर सकता है। इन कोर्सेस की सुविधा स्किल इंडिया, एनएसडीसी, टीआईएसएस, इग्नू, और राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा दी जाती है। जो ग्रेजुएट या पोस्ट– ग्रेजुएट छात्र हैं, वे एनवायरमेंट मैनेजमेंट, सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट, या अर्बन प्लानिंग जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा या डिग्री ले सकते हैं। कचरा प्रबंधन और रिसाइक्लिंग के क्षेत्र की नौकरियों का विस्तार सरकार, निजी क्षेत्र और सामाजिक संगठनों–तीनों में है। नगर निगम और नगर पंचायतें कचरा प्रबंधन के लिए अलग–अलग विभाग बनाकर प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति कर रही हैं। सीएसआर प्रोजेक्ट्स में बड़ी कंपनियां फील्ड स्टाफ और पर्यावरण सलाहकार नियुक्त कर रही हैं। वहीं सामाजिक स्टार्टअप्स जैसे रिसाइकल, डेली डंप, ग्रीनवोर्म्स, और इकोराइट्स–युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार की राह पर ले जा रहे हैं। आज के डिजिटल युग में डिजिटल वेस्ट यानी ई–वेस्ट भी गंभीर चुनौती बन चुका है। मोबाइल, लैपटॉप, और अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं से उत्पन्न कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए प्रशिक्षित ई–वेस्ट प्रोफेशनल्स की भारी आवश्यकता है। कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे स्वयं, कोर्सेरा, और अनएकेडमी इस विषय पर फ्री या कम लागत वाले कोर्स उपलब्ध कराते हैं। कचरा प्रबंधन केवल तकनीकी पेशा ही नहीं, यह समाज को जागरूक करने का आंदोलन भी है। हालांकि कैरियर के रूप में आने वाले वर्षों में कचरा प्रबंधन लाखों युवाओं को रोजगार देगा।

# ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

**ललित गर्ग**

*क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45–50 प्रतिशत है।*

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चितता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जवाबी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक–दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45–50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डोनाल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजरायल के हमलों से ईरान में आमूल–चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ हैं, भीतर–ही–भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया– कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन–मुताबिक एवं सफल–सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है? अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजरायल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजरायली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है।

# फीकी पड़ रही है सिक्कों की चमक

**डॉ. संजय वर्मा**

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर की हालिया घटना है। निवृत्ति शिंदे नाम के 93 वर्षीय बुजुर्ग संभाजीनगर की एक गली में जौहरी की दुकान में पहुंचे, तो उनके हाथ में मौजूद पोटली में 1120 रुपये के सिक्के थे। जालना जिला निवासी सफेद धोती–कुर्ता पहने शिंदे का मकसद था कि वह अपनी जिंदगी रहते पत्नी शांताबाई के लिए सोने का एक सस्ता मंगलसूत्र खरीदें। दो बेटों और एक बेटी के पिता शिंदे के एक बेटे की मौत कुछ साल पहले हो गई थी और दूसरा बेटा अपने मां–बाप की देखभाल करने में असमर्थ था। लिहाजा संभाजीनगर में एक मंदिर परिसर में बीते कई सालों से दान–दक्षिणा लेकर गुजारा करने वाले शिंदे दंपति ने पाई–पाई जमा करते हुए यह 'बड़ी रकम' जुटाई थी। लेकिन इतनी नहीं थी कि एक लाख रुपये तोले तक पहुंच चुके सोने का हल्का और सस्ता आभूषण भी खरीद सकें। चार ज्वैलर्स जुटाए गए इन सिक्कों को बेकार बताकर उन्हें बाहर का रास्ता दिखा चुके थे। पांचवें दुकानदार से भी उन्हें खास उम्मीद नहीं थी। लेकिन आशाओं की पोटली में बंधे उनके सिक्कों का वजन देखकर इस ज्वैलर ने महज 20 रुपये के सिक्कों के बदले एक मंगलसूत्र देने की पेशकश कर दी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कैद इस जोड़े के कृतज्ञता भरे आंसू एक ऐसी दुनिया की कहानी बयां करते हैं, जहां सिक्कों का अभी भी बहुत महत्व है दृ न केवल मौद्रिक, बल्कि भावनात्मक भी। फिर भी, दिल छूने वाली यह कहानी आधुनिक भारत में एक विसंगति की तरह है, जहां सिक्कों की झंकार मंद हो रही है और चमक फीकी पड़ रही है। कारण है यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का चकाचौंध भरा डिजिटल करिश्मा, जिसने रुपयों–पैसों का लेनदेन और भुगतान प्रक्रिया को बेहद आसान कर दिया है, लेकिन उसकी धमक के आगे सिक्के अपनी खनक खोते जा रहे हैं। हमारे देश में जैसे–जैसे डिजिटल लेन–देन बढ़ रहा है, वैसे–वैसे मामूली सिक्के, जो कभी हमारी वाणिज्यिक दुनिया और संस्कृति का आधार था, गुमनामी की गर्त में जा रहे हैं। हाल में जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट ने 2023–24 की तुलना में 2024–25 में प्रचलन में सिक्कों की मात्रा में मात्र 3.6 फीसदी वृद्धि दर्ज की है, जो 2016–17 की 8.5 फीसदी बढ़ोतरी के मुकाबले बहुत कम है। यह वही वित्तीय साल (2016–17) था, जिस वर्ष यूपीआई लॉन्च किया गया था।

# सोनी टीवी के आगामी शो 'आमी डाकिनी' में अपने किरदार पर हितेश भारद्वाज ने की बात

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बहुप्रतीक्षित शो 'आमी डाकिनी' एक रहस्यमयी और रोमांचक कहानी के साथ दर्शकों को बाँधे रखने के लिए तैयार है। कोलकाता की खूबसूरत पृष्ठभूमि में रचा गया यह शो, चौनल के प्रतिष्ठित हॉरर शो 'आहट' के बाद एक बार फिर रोमांचक कहानी कहने की दिशा में वापसी कर रहा है। शो में हितेश भारद्वाज आयान की भूमिका निभा रहे हैं। आइए जानते हैं उन्होंने अपने अनुभवों को कैसे साझा कियाक्

शो में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

यह रचनात्मक रूप से बेहद संतोषजनक रहा है। इसकी लेखनी, दृश्य संयोजन और भावनात्मक परतें इसे बहुत गहराई देती हैं। पूरी प्रक्रियाकृलंबी नाइट शूट्स से लेकर टेक्स के बीच के शांत पलों तकक्र हर चीज का मैंने आनंद लिया है।

अपने सह–कलाकारों के साथ काम करना कैसा रहा?

मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं। रांची और शीन न सिर्फ प्रतिभाशाली हैं, बल्कि जमीन से जुड़ी हुई भी हैं। हमारे बीच सेट पर बहुत सहजता है, जो भावनात्मक रूप से तीव्र दृश्यों में काफी मदद करती है। हम एक–दूसरे को सुनते हैं, और यही सबसे बड़ा फर्क लाता है।

यह आपके लिए एक नया जोनर रहा है। आपका अनुभव कैसा रहा?

यह अनुभव बहुत अलग और रोमांचक था। यह शो सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि मूड, खामोशी और भावनात्मक गति के बारे में है। यह आपको हर चीज को अंदर समेटने और नियंत्रित रूप से पेश करने के लिए मजबूर करता है। ऐसा प्रदर्शन पैक–अप के बाद भी आपके भीतर बना रहता है।

आप 'आहट' जैसे शो के मेकर्स के साथ काम कर रहे हैं। इसका आपके लिए क्या मतलब है?

ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत आइकॉनिक अनुभव है। मैं श्आहटश देखकर बड़ा हुआ हूंकृउसमें एक रहस्यमय जादू था। अब उसी दुनिया का हिस्सा बनना एक चक्र पूरा होने जैसा लगता है। यह सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि एक ऐसी विरासत में योगदान देने जैसा है जिसे लोग आज भी याद करते हैं।

आयान रायचौधरी के किरदार के लिए आपने क्या तैयारी की?

आयान बहुत अंतर्मुखी किरदार है। वह ज्यादा व्यक्त नहीं करता, लेकिन हर चीज को गहराई से महसूस करता है। मैंने उसकी भावनात्मक स्मृति को विकसित कियाकृउसके बचपन की एक बैकस्टोरी बनाई, उसकी चुप्पियों को समझा और यहां तक कि उसकी जगह खुद जर्नलिंग भी की। मैंने यह भी देखा कि वह दर्द, यादों या धूल जैसी चीज़ों पर कैसे प्रतिक्रिया करता है।

सेट पर कोई मज़ेदार पल?

एक सीन था जिसमें मुझे डरा हुआ दिखना था... और ठीक एक्शन से पहले राची ने एक अजीब सा चेहरा बना दिया। मुझे हंसी रोकना मुश्किल हो गया था, जबकि सीन गंभीर था। हम स्क्रीन पर जितने गंभीर होते हैं, पर्दे के पीछे उतने ही मस्तीखोर।

राची (मीरा) के साथ ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री कैसे बनी?

राची एक सहज अभिनेत्री हैं, जिससे काम आसान हो गया। हमने ज्यादा रिहर्सल नहीं कीकृबल्कि अपने किरदारों के भावनात्मक बोझ के बारे में बातें कीं और उन्हें मार्गदर्शक बनाया। हम अक्सर सीन से पहले चुपचाप बैठ जाते थेकृअजीब होकर नहीं, बल्कि भावनाओं को भीतर समाने देने के लिए। इससे हमारे ऑन–स्क्रीन संबंध को असली एहसास मिला।

क्या किरदार के लिए कोई खास स्किल या लुक ट्रांसफॉर्मेशन किया गया?

शारीरिक बदलाव से ज़्यादा यह आयन की भावनात्मक ऊर्जा को पकड़ने का सवाल था। वह 28 साल का है, तेज–तर्रार है, लेकिन भीतर से अपूर्ण दुःख से भरा हुआ। मुझे उसमें वह युवा तीव्रता लानी थी, बिना उसे भावुक या लापरवाह दिखाए। वह शांत है, सोच–समझकर चलता है, लेकिन उसके भीतर आग है। मैंने उसकी चाल, बोलने की गति और सुनने के तरीके तक पर काम कियाकृक्योंकि कई बार उसके मौन में ही पूरी बात होती है।

अब तक की शूटिंग का कोई यादगार पल?

मीरा (राची) के साथ एक सीन था जहां हमें एक–दूसरे पर गुस्सा होना था। भावनाएं इतनी रॉ और असली थीं कि हम दोनों उस पल में पूरी तरह डूब गए। सीन खत्म हुआ तो सेट पर सन्नाटा था३ फिर पूरी टीम ने तालियां बजाईं। वो पल खास थाक्र जैसे कुछ सचमुच असली घटा हो। एक और सीन शीन के साथ थाकृमैंने उन्हें कहा, "प्लीज़ मेरे क्लोज–अप में मुझे मत देखो, मैं डर रहा हूं।" क्योंकि उनका परफॉर्मेंस इतना इंटेंस और पावरफुल था कि मैं सच में हिल गया था। ऐसे पल लंबे समय तक आपके साथ रहते हैं।

# इजरायल ईरान युद्ध में अमेरिका का दखल,ईरान के फोर्दो,नातंज

**संजीव ठाकुर**

ट्रायंगल ने नया मोड़ ले लिया है। इजरायल ईरान युद्ध के तनाव को अमेरिका की एंट्री ने और बढ़ा दिया है। इजरायल ईरान के भीषण युद्ध में जहां इसराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान सहित ईरान के सत्ता प्रमुख आयतुल्लाह खेमनेइ को खत्म करने की ठान ली है। वहीं ईरान ने जवाबी हमले में तेल अबिब के गैस और तेल के ठिकानों सहित स्टॉक एक्सचेंज, अस्पताल सहित अनेक नागरिक केंद्रों को बर्बाद कर दिया है। ईरान की टारगेटेड मिसाइल को इसराइल रोक पाने में असफल रहा है, वैसे अब इजरायल के पास ईरान को रोकने के लिए उतने अस्त्र–शास्त्र शेष नहीं बचे क्योंकि विगत एक साल से ज्यादा उसकी लड़ाई हमास,हिजबुल और हूती विद्रोहियों के साथ गाजा पट्टी तथा फिलिस्तीन पर चल रही है। अब इजराइल में वह दम–खम नहीं रहा जिसके लिए वह जाना जाता है। जबकि ईरान के पास अभी सैकड़ों मिसाइल्स का भंडार बचा हुआ है जिसके दम पर वह इसराइल के शहरों में ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इसराइल ने इन परिस्थितियों में अमेरिका से ईरान पर हमले की गुजारिश भी की थी, और अमेरिका ने बीती रात अपने सबसे खतरनाक एयर स्ट्राइकर से ईरानी परमाणु ईंधन केंद्रों जिनमें प्रमुख फोर्दो,नतांज और इस्फहान हैं जिनके गहरे बंकरों में वह परमाणु ईंधन छुपा कर रखता है पर हमला कर दिया है। समाचार एजेंसी के अनुसार इनमें एक फोर्दो सबसे बड़ा परमाणु ईंधन भंडारण जो पूरी तरह तबाह हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले की पुष्टि भी कर दी है उन्होंने अपने मीडिया हैंडल में लिखा है कि हमने इन तीन परमाणु भंडारण केंद्र में हमले कर उसे तबाह करने की कोशिश की है और हमारे दोनों फाइटर प्लेन सुरक्षित वापस अमेरिका आ चुके हैं डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि व? हमले हो सकते हैं इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति का रास्ता हमले से गुजर कर होकर जाता है। हीरा की सत्ता प्रमुख ने इसके जवाब में कहा है कि हमले रुकेंगे नहीं और अब शांति प्रस्ताव पर कोई चर्चा नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि मिडिल ईस्ट में इसराइल के अलावा किसी के पास परमाणु बम नहीं है वैसे तो घोषित तौर पर इजरायल के पास भी परमाणु बम नहीं है पर रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि इसराइल ने परमाणु बम बना लिया है एवं वह इस दुनिया के सामने इसकी घोषणा नहीं करता है। इन परिस्थितियों में ईरान अमेरिका तथा इजरायल के सामने अलग–थलग पड़ गया है इसका एक बड़ा कारण मिडिल ईस्ट में शिया तथा सुन्नी समुदाय का आंतरिक विरोध भी है। पिछले 36 साल से ईरान पर शासन कर रहे आयतुल्लाह खेमनई ने शिया सुन्नी विवाद को बहुत आगे बढ़ा दिया और मिडिल ईस्ट के कई देशों को परेशान भी किया है ऐसे में सारे मुस्लिम देश इसराइल तथा अमेरिका के विरोध में एकत्र नहीं हो पाए। गौरतलब है कि इसराइल ने ईरान के 11–12 प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों तथा उसके सबसे ताकतवर सैन्य कमांडरों की मिसाइल हमले से हत्या भी कर दी है ऐसे में ईरानी प्रमुख के पास वर्तमान में सेना को नेतृत्व करने वाले कमांडरों की कमी हो गई है और उसके परमाणु प्रोग्राम का भविष्य भी चौपट हो गया है। रही–सही कसर अमेरिका के लड़ाकू विमान ने परमाणु ईंधन भंडारण ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर पूरा कर दिया है। ईरान भी युद्ध के शुरुआती दौर में पाकिस्तान के भरोसे परमाणु हमले की धमकी दे रहा था पर पाकिस्तान के सो– कॉल्ड फील्ड मार्शल असीम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप की लंच पॉलिटिक्स में उलझ कर उसके खेमे में जाकर ईरान का साथ देने से साफ इनकार कर दिया हैं। पाकिस्तान अमेरिका को अपने दो ऐसे एयर–बेस जो ईरान के एकदम नजदीक हैं को इस लड़ाई में उपयोग करने हेतु देने में सहमत हो गया है। और अब ईरान के समर्थन में पाकिस्तान परमाणु बम का किसी भी तरह उपयोग नहीं करेगा। इन परिस्थितियों के परिणामस्वरुप यदि ईरान इजरायल पर हमले जारी रखता है तो इजरायल,अमेरिका,यूरोपीय देश और नाटो संगठन ईरान के विरुद्ध हमले करने से पीछे नहीं हटेंगे जो किसी भी विश्व युद्ध से कम नहीं होगा।भारत के संदर्भ में युद्ध नुकसान देह होगा–रूईरान और अमेरिका के युद्ध में मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण भारत के लिए एक कठिन परीक्षा की घड़ी होगी। भारत के संबंध ईरान से बहुत पुराने हैं और वह ईरान से क्रूड ऑयल भी आयात करता है दूसरी तरफ भारत के इजराइल से बड़े अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध है अब भारत को किसी एक देश को समर्थन देना राजनीतिक तौर पर बहुत कठिन एवं असमंजस वाला होगा। दोनों के बीच युद्ध और बढ़ता है तो मिडिल ईस्ट में बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय प्रवासियों तथा ईरान से आने वाले क्रूड ऑयल के मार्ग पर भी बाधा उत्पन्न हो सकती है जिससे पेट्रोल डीजल भारत में महंगे होकर इस महंगाई का फर्क देश की आवश्यक वस्तुओं पर भी डाल सकते हैं। इसलिए बेहतर यह होगा कि भारत इजरायल ईरान युद्ध विराम के प्रयासों को बढ़–चढकर समर्थन प्रदान करे। वैसे भी इतिहास गवाह है कि युद्ध या विश्व युद्ध से मानवता और संवेदना ही हताहत हुई है बच्चे बूढ़े तथा स्त्रियां इन युद्धों में सबसे ज्यादा आहत और परेशान हुए हैं। इसीलिए युद्ध विराम कर वैश्विक शांति की स्थापना के हर तरह के प्रयास किए जाने चाहिए।

# घर क्यों गईं ?..साजिद पर आरोप लगाने वाली नवीना पर बख्तियार ईरानी ने उठाए सवाल, एक्ट्रेस ने किया पलटवार

> नवीना बोले ने हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्ममेकर साजिद खान पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे और दावा किया कि यह घटना साल २००६ की है, जब साजिद खान ने उन्हें एक प्रोफेशनल मीटिंग के लिए घर बुलाया था और वहां उन्हें कैमरे के सामने कपड़े उतारने को कहा गया था, जिससे वह असहज और अनसेफ फील करने लगी थीं।

विक्टिम को दोष देना टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले उस वक्त खूब सुर्खियों में आई थीं, जब उन्होंने फिल्ममेकर साजिद खान को लेकर चौकाने वाले खुलासे किए थे। एक्ट्रेस ने साजिद पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए गए थे। वहीं, अब नवीना के इस खुलासे के बाद एक्टर बख्तियार ईरानी ने एक्ट्रेस पर सवाल उठाए, जिसके बाद वह भी चुप नहीं बैठीं और उन्होंने कड़ा पलटवार किया है। दरअसल, नवीना बोले ने हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्ममेकर साजिद खान पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे और दावा किया कि यह घटना साल 2006 की है, जब साजिद खान ने उन्हें एक प्रोफेशनल मीटिंग के लिए घर बुलाया था और वहां उन्हें कैमरे के सामने कपड़े उतारने को कहा गया था, जिससे वह असहज और अनसेफ फील करने लगी थीं। वहीं, अब एक्टर बख्तियार ईरानी ने नवीना  आरोप के खुलासे पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने लिखा, "मीटिंग ऑफिस या पब्लिक प्लेस पर होती है, घर पर क्यों गईं? और इतने साल बाद अब क्यों बोल रही हैं?" बख्तियार ने आगे कहा कि महिलाओं को खुद को आसान टारगेट बताना बंद करना चाहिए और अगर कुछ गलत हुआ था तो उसी समय सामने आना चाहिए था। बख्तियार के सवालों का जवाब देते हुए नवीना बोले ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की और लिखा, "दुख की बात है कि आप, जो खुद इंडस्ट्री से हैं, मेरी सच्चाई पर सवाल उठा रहे हैं। मैं ये सोचकर गई थी कि वह ऑफिस होगा, लेकिन वह उनका घर निकला और मुझे आप जैसे इंसान को सफाई देने की कोई जरूरत नहीं। इसी के साथ नवीना ने यह भी साफ किया कि उन्होंने मीडिया को बुलाकर यह बयान नहीं दिया बल्कि एक पॉडकास्ट में कास्टिंग काउच से जुड़ा सवाल पूछा गया था, जिसका उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने लिखा, "मैं अपनी सच्चाई पर कायम हूं। सही बात कहना कभी गलत नहीं होता। विक्टिम को दोष देना बंद करें।

## परिवार संग तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने पहुंची विद्या बालन, ट्रेडिशनल लुक से जीता सबका दिल

बॉलीवुड सेलिब्रेटीज अक्सर अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालकर भगवान के दर्श के लिए मंदिरों का दौरा करते रहते हैं। इसी कड़ी में हाल ही में मशहूर एक्ट्रेस विद्या बालन ने अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। फैंस को विद्या का ये धार्मिक अंदाज काफी पसंद आ रहा है। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि विद्या बालन पारंपरिक लुक में वेंकटेश्वर भगवान के दर्शन करने पहुंची, जहां उन्होंने पूरे श्रद्धा भाव से मंदिर में पूजा–अर्चना की और भगवान को हुंडी के जरिए प्रसाद चढ़ाया।साथ ही एक्ट्रेस ने मंदिर के पुजारियों से आशीर्वाद भी लिया। वहीं, मंदिर की ओर से विद्या बालन को शेषवस्त्र भेंट में दिया गया। इस दौरान विद्या रेड कलर के आउटफिट, माथे पर बिंदी और खुले बालों में बेहद खूबसुरत नजर आईं। जैसे ही वह मंदिर से बाहर निकली, तो वहां मौजूद भीड़ ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करते दिखे। काम की बात करें तो मलयालम फिल्म चक्रम से करियर की शुरुआत करने वाली विद्या फिल्म इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दे चुकी हैं। उन्होंने कई मलयाली, बंगाली और हिंदी फिल्मों में काम किया है। अब वह जल्द ही फिल्म कहानी 3 में नजर आएंगी।

## मेरी हर दुआ तेरे लिए मेरे बच्चे..पति के बाद अब दीपिका कक्कड़ ने बेटे के नाम लिखा खास नोट, शेयर किया प्यारा वीडियो

पॉपुलर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। दरअसल, हाल ही में एक्ट्रेस ने लिवर कैंसर की सर्जरी करवाई है ने हाल ही में एक बड़ी सर्जरी करवाई है। हालांकि, अब उनकी तबीयत पहले से बेहतर है और वह धीरे–धीरे पहले की तरह सोशल मीडिया पर एक्टिव हो रही हैं। 1 दिन पहले दीपिका ने अपने पति शोएब इब्राहिम के लिए खास नोट लिखा था। वहीं, अब उन्होंने बेटे के नाम खास पोस्ट शेयर किया है। दरअसल, दीपिका और शोएब का बेटा रुहान 21 जून को दो साल का हो गया है। ऐसे में एक्ट्रेस ने अपने लाडले को विश करते हुए खास वीडियो शेयर किया और प्यारा सा नोट भी लिखा। शेयर किए वीडियो में रुहान अपनी मम्मी को कॉपी करने की कोशिश कर रहा है। जो दीपिका बोल रही हैं, वही बोलने की कोशिश कर रहा है। इस प्यारे से वीडियो को शेयर करते हुए दीपिका ने कैप्शन में लिखा, 'दिन खत्म होने से पहले३.. मेरे स्ट्रॉन्ग बच्चे को जन्मदिन की बहुत–बहुत बधाई मेरी हर दुआ तेरे लिए मेरे बच्चे अल्लाह हमेशा खुश रखे, हमेशा सलामत रखे३ मम्मा तुमसे बहुत प्यार करती हैं और मेरा रुहान मम्मा की है जान है।' अब दीपिका कक्कड़ का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। बता दें कि दीपिका कक्कड़ की तबीयत पिछले कुछ दिनों से काफी खराब थी, जिसे लेकर उनके फैंस बेहद परेशान थे। वहीं, एक्ट्रेस के पति शोएब ने अपने व्लॉग में बताया था कि दीपिका को स्टेज 2 लिवर कैंसर है। हालांकि, अब दीपिका की लिवर सर्जरी हो चुकी है और वो घर वापस आ चुकी हैं।

## जब सलमान खान के फ्लैट तक पहुंच गई थी महिला फैन, अभिनेता ने कपिल शर्मा शो पर सुनाई कहानी

सलमान खान द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने इस घटना के बारे में बात की। होस्ट कपिल शर्मा ने सलमान से उनके घर पर सूटकेस लेकर आने वाले प्रशंसकों के बारे में पूछा। इसपर सलमान ने कहा, श्हां, हाल ही में ऐसा कुछ हुआ था। बाहर सुरक्षा गार्ड थे। एक महिला ने उनसे कहा कि वह चौथी मंजिल पर जाना चाहती है और वह अंदर चली गई। उसने दरवाजे की घंटी बजाई, और हमारे नौकर ने दरवाजा खोला। हाल ही में एक महिला ने अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी, अब भाईजान ने इस घटना के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि महिला किसी तरह उनके फ्लैट तक पहुंच गई थी। आपको बता दें, यह घटना मई की शुरुआत में हुई थी। सलमान खान द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने इस घटना के बारे में बात की। होस्ट कपिल शर्मा ने सलमान से उनके घर पर सूटकेस लेकर आने वाले प्रशंसकों के बारे में पूछा। इसपर सलमान ने कहा, श्हां, हाल ही में ऐसा कुछ हुआ था। बाहर सुरक्षा गार्ड थे। एक महिला ने उनसे कहा कि वह चौथी मंजिल पर जाना चाहती है और वह अंदर चली गई। उसने दरवाजे की घंटी बजाई, और हमारे नौकर ने दरवाजा खोला। सलमान ने आगे कहा, नौकर हैरान रह गया क्योंकि महिला ने कहा, मुझे सलमान ने बुलाया है। उनको लगा देख कि सलमान ने तो बुलाया नहीं होगा। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, खार की रहने वाली 36 वर्षीय ईशा छाबड़िया ने दावा किया कि उसे अभिनेता ने आमंत्रित किया था। एक अधिकारी ने बताया, श्वह अभिनेता के फ्लैट तक पहुंचने में कामयाब रही और यहां तक कि उसने उसका दरवाजा भी खटखटाया।

# सिग्नेचर दिलजीत मोमेंट्स जो डिटेक्टिव शेरदिल को बनाते हैं एकदम खास

> दिलजीत दोसांझ। उनकी सिग्नेचर कॉमिक टाइमिंग, बेमिसाल चार्म और वो अनप्रेडिक्टेबल अंदाजकृहर सीन को बना देते हैं देखने लायक। कभी पूछताछ के बीच में माउथ ऑर्गन बजाना, तो कभी एक अचानक सी मुस्कान,दिलजीत हर बार दिल जीत ही लेते हैं। नीचे ऐसे मोमेंट्स दिए गए हैं जो आपको हँसाएंगे, मुस्कुराएंगे और कहने पर मजबूर कर देंगे"ये तो बिलकुल दिलजीत वाला मूमेंट था!"

अगर आप वीकेंड पर क्या देखें ये सोच–सोचकर थक गए हैं, तो अब और सोचने की जरूरत नहीं जी5 पर डटेक्टिव शेरदिल ही देखिए। मर्डर मिस्ट्री तो है ही, लेकिन एक बड़ी वजह जो इसे देखने लायक बनाती है, वो हैं दिलजीत दोसांझ। उनकी सिग्नेचर कॉमिक टाइमिंग, बेमिसाल चार्म और वो अनप्रेडिक्टेबल अंदाजकृहर सीन को बना देते हैं देखने लायक। कभी पूछताछ के बीच में माउथ ऑर्गन बजाना, तो कभी एक अचानक सी मुस्कान,दिलजीत हर बार दिल जीत ही लेते हैं। नीचे ऐसे मोमेंट्स दिए गए हैं जो आपको हँसाएंगे, मुस्कुराएंगे और कहने पर मजबूर कर देंगे"ये तो बिलकुल दिलजीत वाला मूमेंट था!"

1. माउथ ऑर्गन वाला "इंटरॉगेशन" मैजिक

फिल्म के सबसे मजेदार और यादगार सीन में से एक है जब शेरदिल, पूछताछ के दौरान सामने वाले के जवाब से साफ नाखुश होकर, अचानक माउथ ऑर्गन निकालकर बजाने लगते हैं।

सस्पेक्ट सन्न रह जाता है, और ऑडियंस के चेहरे पर आ जाती है मुस्कान।

ये सिर्फ एक क्यूट अजीब सी हरकत नहीं हैकृबल्कि क्लासिक दिलजीत स्टाइल है।

उनका कॉन्फिडेंस, म्यूजिकल अंदाज और परफेक्ट डेडपैन डिलीवरी,मिलकर इस टेंशन भरे सीन को बना देते हैं फिल्म का एक अनएक्सपेक्टेड कॉमिक जेम। स्मार्ट, सरप्राइजिंग और पूरी तरह से दिलजीत वाला अंदाज!

2. वो स्माइल थी पूरी तरह दिलजीत की डायना पेंटी वाला सीन

एक सबटाइल लेकिन बहुत पॉप्युलर मोमेंट में शेरदिल (दिलजीत) एक सीरियस डायलॉग कहने के बाद अचानक चुपचाप मुस्कुरा देते हैं। ये मोमेंट स्क्रिप्ट में था ही नहीं इनज उस एक स्माइल ने पूरी सीन की टोन बदल दी।

वो एक पल भले ही छोटा था, लेकिन उसमें दिलजीत की नैचुरल चार्म और कॉमिक टाइमिंग झलकती है।

डायरेक्टर रवि छाबड़िया ने एक इंटरव्यू में बताया, "वो मूवमेंट पाजी का अपना था। मैंने बस सोचा था कि वो हल्की सी स्माइल करेंगे। लेकिन उन्होंने इतना क्यूट स्माइल किया कि हमने तय किया कि जहां–जहां मुमकिन हो, हम वो एक्सप्रेशन दोहराएंगे।"

ये अनस्क्रिप्टेड मोमेंट फिल्म के सबसे यादगार पलों में शामिल हो गयाकृऔर डायना के साथ उनकी केमिस्ट्री में स्पॉनटेनिटी और वॉर्मथ जोड़ दी।

तो अगर आप मिस्ट्री देखना चाहते हैं लेकिन साथ में भरपूर एंटरटेनमेंट भी, तो डिटेक्टिव शेरदिल देखिए जी5 पर।

आप शायद कातिल कौन है? जानने के लिए देखना शुरू करेंगे लेकिन रुकेंगे दिलजीत के लिए।

## त्वचा के साथ-साथ दिल को भी स्वस्थ रखता है करी पत्ता, जानें इसके फायदे

करी पत्ता जिन्हें हम मीठी नीम के नाम से भी जानते हैं, इसका इस्तेमाल अक्सर भारतीय खाने में स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए करते हैं। इसके अलावा ये हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व होते हैं जो हमारी अच्छी सेहत के साथ हमारे बालों और स्किन के लिए भी चमत्कारी साबित होते हैं। इसी कड़ी में हम आज आपको बताते हैं इससे होने वाले लाभ के बारे में, जिन्हें जान कर आप भी हैरान हो जाएंगे –

ये हैं करी पत्ते के चमत्कारी लाभ

पाचन में लाएं सुधार

करी पत्ते पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके, अपच को कम करने में सहायता करते हैं। दस्त में भी आराम पहुंचाते है। जिन लोगों को पाचन की समस्या होती हैं। उन लोगों को सुबह खाली पेट करी पत्ते को खाना चाहिए।

त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करता है

करी पत्ते विटामिन ई जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को पोषण देने, उसकी बनावट में सुधार करने और त्वचा संबंधी समस्याओं से बचाकर रखते है।

ब्लड शुगर करे मैनेज

जिन लोगो को शुगर की बीमारी होती हैं, उन लोगों के लिए करी पत्ते का सेवन करना बहुत लाभकारी साबित होता हैं। करी पत्ते अपने एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक गुणों के कारण रक्त शर्करा के स्तर को कण्ट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। ये रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल कर सकते है।

दिल को रखे हेल्दी

करी पत्ते में रुटिन और टैनिन जैसे गुण होते हैं, जो दिल को मजबूत करते हैं। करी पत्ते कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।

हेरफल को रोके

करी पत्ते बालों के विकास को बढ़ावा देने और बालों के झड़ने को कम करने में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। इनमें मौजूद पोषक तत्व समय से पहले सफेद हो रहे बाल को रोकते हैं।

## हेल्दी बेबी के लिए इन एक्ट्रेसेस ने प्रेगनेंसी में जमकर किया योग, आप भी लीजिए टिप्स

मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग से बढ़कर कुछ नहीं है। गर्भवती महिलाओं को भी योग करने की नसीहत दी जाती हैं, हालांकि बहुत से महिलाएं डर के चलते योग करने से बचती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं, ऐसे में खुद को बेबी को हेल्दी रखने के लिए योग सबसे बेहतर विकल्प है। अनुष्का शर्मा से लेकर करीना कपूर तक कई बॉलीवुड एक्ट्रेस भी एन्टी प्रेग्नेंसी के लिए योग का सहारा लेती हैं। तो चलिए आप भी लीजिए इनसे कुछ टिप्स।

देबिना बनर्जी

टीवी की सीता देबिना बनर्जी भी अपनी प्रेग्नेंसी के योग करती रही। उन्होंने गर्भावस्था के 9वें महीने पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थी जिसमें वह शीर्षासन करती नजर आई थी। वह हमेशा से ही फिटनेस की दीवानी रही हैं, लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने अपने पति गुरमीत की देखरेख में ये किया था। उन्होंने इसे आजमाने से पहले एक अनुभवी योग विशेषज्ञ से मार्गदर्शन और अनुमति भी ली।

नेहा धूपिया

गर्भावस्था के दौरान स्वस्थ्य रहने के लिए नेहा घर पर ही योग करती थीं। इसके साथ ही वो वर्कआउट भी करती थीं। उन्होंने अपनी एक वीडियो शेयर कर कहा था– गर्भावस्था से पहले आप जो कुछ भी अभ्यास कर रही हैं, उसे आपको प्रेगनेंसी के 9 महीनों तक भी जारी रखना चाहिए। योग और ध्यान व्यायाम का एक रूप है जिसे मैं लगभग 20 साल से कर रही हूं। बेशक शरीर अब बहुत अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है लेकिन फिट और सक्रिय रहना एक ऐसी चीज है जिसकी मैं हर समय वकालत करती हूं। हालांकि प्रेगनेंसी में किए जाने वाले आसन बहुत अलग होते हैं।

करीना कपूर

दो बच्चों की मां बन चुकी करीना प्रेगनेंसी में कई बार योगाभ्यान कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने दिमाग और शरीर को फिट रखने के लिए हर दिन कम से कम 1 घंटे योग करती थी। प्रेग्नेंसी के दौरान प्रतिदिन योगा आपको तंदुरुस्त रखता है और प्रसव के दौरान मन व शरीर को भी केंद्रित रखने में भी मदद करता है।

## गर्मी की वजह से खत्म हो गई है एनर्जी तो इस सुपरफूड का करें सेवन, शरीर रहेगा ठंडा

भारत का एक बड़ा हिस्सा मई-जून के महीने में भीषण गर्मी में जूझ रहा है। अत्यधिक गर्मी और लगातार बढ़ता तापमान लोगों की सेहत पर नकारात्मक असर डाल रहा है। ऐसे में इस मौसम में लोगों को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। वहीं अपने शरीर के तापमान को संतुलित बनाए रखने के लिए आप कुछ सुपरफूड भी आजमा सकते हैं, जो आपके शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करते हैं और भीषण गर्मी से बचाने में सहायक होते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी अपनी सेहत का ख्याल रखना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे सुपरफूड के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसका सेवन करने से आप खुद को फिट और हेल्दी रख सकते हैं।

तोरानी के फायदे

आपको बता दें कि हीट स्ट्रोक को रोकने के लिए चावल का पानी या तोरानी एक अच्छा ऑप्शन है। यह एक फर्मेंटेड ड्रिंक है, जो भीषण गर्मी में आपके शरीर को ठंडा रखने का काम करती है। यह ड्रिंक हीट स्ट्रोक के साथ थकावट को कम करने का काम करती है। इस ड्रिंक में इलेक्ट्रोलाइट्स, अमीनो एसिड, विटामिन बी और आसानी से पचने वाले कार्ब्स से भरपूर है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट की हेल्थ को सही रखते हैं। वहीं चावल का पानी या तोरानी गर्म मौसम के दौरान प्रतिरक्षा में सुधार करने में सहायक होता है।

पाचन तंत्र के लिए लाभकारी

गर्मी के मौसम में लोगों को पेट संबंधी समस्याएं होती हैं। ऐसे में चावल के पानी या तोरानी पाचन तंत्र के लिए हल्के टॉनिक के रूप में काम करती है। जिससे व्यक्ति का पाचन ठीक रहता है और अपच व दस्त जैसी स्थितियों से बचा जा सकता है। इसमें प्रोबायोटिक गुण पाए जाते हैं। क्योंकि फर्मेंटेड चावल का पानी आंत बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देने का काम करता है। यह आंत की हेल्थ और पाचन को बढ़ाने में भी सहायक होता है।

त्वचा को लाभ

अधिक गर्मी पड़ने के कारण हमारी स्किन शुष्क हो जाती है। ऐसे में चावल का पानी या तोरानी हमारी त्वचा को हाइड्रेट करने का काम करता है। इस पानी को पीने से स्किन की नमी बरकरार रहती है और यदि आप चावल के पानी को त्वचा पर लगाते हैं। तो आप सनबर्न और स्किन संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है।

ऐसे करें तैयार

इसे बनाने के लिए पके चावलों को रातभर के लिए भिगो दें। फिर अगली सुबह चावल से पानी छानकर अलग कर लें। इस पानी में दही डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब इसमें अदरक, करी पत्ता, हरी मिर्च, नमक और भुना हुआ जीरा पाउडर मिक्स करें।

आखिरी में नींबू डाल दें।

अब आप अपने हिसाब से इसमें पानी मिक्स कर इसको पतला या गाढ़ा कर सकती हैं।

## एक बार जरूर ट्राई करें कटहल कढ़ी की रेसिपी, स्वाद इतना कि उंगलियां चांट जाएंगे लोग

दही या छाछ और हल्के मसालों को मिलाकर कढ़ी बनाई जाती है। यह एक ऐसा व्यंजन है, जो हर किसी के घर में बनाया जाता है। वहीं कढ़ी बनाने का सबका अलग-अलग तरीका होता है। कोई पकौड़े वाली कढ़ी बनाता है, तो कोई सब्जी की कढ़ी बनाता है। लेकिन कढ़ी वही अच्छी होती है, जिसको अच्छे से उबाला व पकाया जाता है। इसको धीमी आंच पर पकाया जाता है। इसको अच्छे से पकाने से इसमें खुशबू के स्वाद आता है और यह गाढ़ी होती जाती है। कई बार एक ही स्वाद का खाना खाते-खाते बोरियत होने लगती है। स्वाद के बोरियत को दूर करने के लिए जरूरी है कि कुछ नया ट्राई किया जाए। ऐसे में आज हम आपके साथ एक नई कढ़ी की रेसिपी लेकर आए हैं। इस कढ़ी को बनाने के लिए कटहल और करेले का इस्तेमाल किया गया है। ऐसे में आज भी इस रेसिपी को ट्राई कर सकते हैं।

सामग्री

कटहल– 250 ग्राम

दही– 2 कप

लाल मिर्च पाउडर– 2 चम्मच

हल्दी पाउडर– 1 छोटा चम्मच

कसूरी मेथी– 1 छोटा चम्मच

लहसुन-अदरक का पेस्ट– 1 चम्मच

गरम मसाला– 1 छोटा चम्मच

तेल– 2 चम्मच

करेला– 1 (कटा हुआ)

प्याज– 1 (कटा हुआ)

जीरा पाउडर– 1 चम्मच

धनिया पाउडर– 1 चम्मच

नमक– स्वादानुसार

पानी– जरूरत के हिसाब से

कटहल और करेले कढ़ी की रेसिपी

ऊपर बताए गए इंग्रीडिएंट्स को तैयार कर लें और फिर कटहल और करेले को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। करेले के बीज को अच्छे से निकालकर धो लें, जिससे कि उसकी कड़वाहट निकल जाए। फिर एक बाउल में दही, कसूरी मेथी, हल्दी पाउडर, नमक, गरल मसाला और लहसुन-अदरक का पेस्ट डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब करेले और कटहल को इसमें डाल दें और करीब 30 मिनट के लिए मैरीनेट करने के लिए रख दें। अब गैस पर पैन गर्म करने के लिए रख दें और 2 चम्मच तेल डालकर मसालेदाल करेले व कटहल को पैन में डालें। अब गैस को लो कर दें और इसको चलाते हुए कुछ देर पकाएं। वहीं एक कढ़ाही में तेल गर्म करने के लिए रख दें। फिर इसमें दालचीनी, फली इलायची, तेजपत्ता, लौंग और बचा हुआ सभी सामान डाल दें। जब यह सारे मसाले अच्छे से पक जाएं, तो पानी डालकर करीब 10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब ऊपर से गरम मसाला डालें। इस तरह से यह लाजवाब रेसिपी बनकर तैयार हो जाएगा। अब आप इसको गरमा-गरम रोटी के साथ सर्व करें।

## भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशनों को करें एक्सप्लोर, खुलकर कर सकेंगे एंजॉय

गर्मियों में घूमने-फिरने के लिए हर किसी की पहली पसंद हिल स्टेशन होती है। अधिकतर लोग इस मौसम में शिमला, कुल्लू, मनाली और मसूरी जैसे हिल स्टेशन जाने का प्लान करते हैं। ऐसे में आप इन ऑफबीट जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। गर्मियों में घूमने-फिरने के लिए हर किसी की पहली पसंद हिल स्टेशन होती है। अधिकतर लोग इस मौसम में शिमला, कुल्लू, मनाली और मसूरी जैसे हिल स्टेशन जाने का प्लान करते हैं। तो वहीं कुछ लोग किसी ऐसी जगह की तलाश करते हैं, जो भीड़भाड़ से दूर हो और वहां पर अपने दोस्तों या पार्टनरके साथ खुलकर एंज्वॉय कर कें। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे ही कुछ हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पर्यटकों की कम भीड़ पाई जाती है।

नाहन

यह हिमाचल प्रदेश का एक छोटा सा शहर है। लेकिन यह कई पर्यटकों का फेवरेट वीकेंड डेस्टिनेशन है। नाहन हिल स्टेशन शिवालिक रेंज की गोद में स्थित है। यहां पर पूरे समय अच्छा और ठंडा मौसम बना रहता है। मानसून के दौरान यहां पर भारी बारिश होता है। ऐसे में आप भी यहां पर कभी भी जाने का प्लान बना सकते हैं।

रिवालसर

रिवालसर झील के किनारे बसे इस छोटे से शहर में भी आपको काफी शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिलेगा। इसके अलावा यहां पर आपको कई खूबसूरत नजारे देखने को मिलेंगे, जो आपके मन को पलभर में मोह लेंगे। यह दिल्ली के सबसे पास और आकर्षक ऑफबीट हिल स्टेशनों में से एक है।

गुशियानी

खूबसूरत तीर्थ घाटी में स्थित गुशियानी दिल्ली के पास सबसे अच्छा और शानदार हिल स्टेशन है। यह जगह हरे-भरे पेड़-पौधों, पहाड़ों, झरनों और नदियों से घिरा है। ऐसे में प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं हैं। वहीं फिशिंग के शौकीन लोगों के लिए भी यह जगह परफेक्ट है।

कौसानी

यह दिल्ली के सबसे पास और आकर्षक व ऑफबीट हिल स्टेशनों में से एक है। कौसानी हरी-भरी पहाड़ियों और सदाबहारों के पेड़ों से घिरा है। यहां पर आप नंदा देवी, त्रिशूल और पंचाचूल चोटियों के बेहतरीन और खूबसूरत नजारों को देख सकते हैं।

## संक्षिप्त

### ईरान-इस्राइल युद्ध में अमेरिका की एंट्री से सहमा कच्चे तेल का बाजार, शेयरों में आई गिरावट

नई दिल्ली। ईरान इस्राइल युद्ध में अमेरिका की एंट्री से पश्चिम एशिया के हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। इसका सीधा असर दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों पर हुआ है। सोमवार को विभिन्न तेल कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई। तेल कंपनियों के साथ ही कच्चे तेल से जुड़ी अन्य सेक्टर जैसे तेल मार्केटिंग कंपनी, विमानन, पेंट्स और चिपकाने वाले पदार्थ आदि की कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट आई है।

तेल कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट

भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को 1.54 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। साथ ही इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन के शेयरों में 1.22 प्रतिशत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयरों में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। विमानन कंपनी स्पाइसजेट के शेयर 2.47 प्रतिशत और इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 2.24 प्रतिशत गिरे हैं। अमेरिका ने शनिवार देर रात ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केंद्रों फोर्डो, नतांज और इस्फहान के ठिकानों पर बमबारी की। इस पर ईरान ने भी बदला लेने की बात कही है। ईरान को दुनिया के कई देशों का भी साथ मिल रहा है, जिनमें रूस और चीन प्रमुख हैं।

भारत पर भी होगा असर

कानसाई नेरोलेक पेंट्स के शेयरों में भी 3 प्रतिशत की गिरावट आई है। बर्जर पेंट्स के शेयरों में 2 प्रतिशत, एशियन पेंट्स के शेयरों में 1.38 प्रतिशत और एकजो नोबेल इंडिया के शेयर 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई है। ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क पर कच्चे तेल की कीमतें 1.96 प्रतिशत बढ़कर 78.52 डॉलर प्रति बैरल हो गया। हालात अगर और तनावपूर्ण हुए या संघर्ष लंबा खिंचा तो कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आने की आशंका है। जनवरी के बाद से वैश्विक तेल की कीमतें फिलहाल सबसे ज्यादा हैं और इसकी वजह पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव है।

### सेंसेक्स, निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट

अमेरिका के ईरान में तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर हमले करने के बाद पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 705.65 अंक की गिरावट के साथ 81,702.52 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 182.85 अंक फिसलकर 24,929.55 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड और इटर्नल (पूर्व में जोमैटो) के शेयर में सबसे अधिक गिरावट आई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट में मामूली बढ़त देखने को मिली। अधिकतर अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.31 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 7,940.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

### रुपया शुरुआती कारोबार में 14 पैसे टूटकर 86.69 प्रति डॉलर पर

ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका के हमला करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 14 पैसे टूटकर 86.69 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती ने स्थानीय इकाई पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय

बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.75 पर खुला और फिर 86.69 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.55 पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.31 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 7,940.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

### विनिर्माण और सेवा क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार, 14 माह के उच्च स्तर पर पहुंचा आंकड़ा

भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने जोरदार रफ्तार पकड़ी है। एचएसबीसी फ्लैस इंडिया कम्पोजिट आउटपुट इंडेक्स जून में बढ़कर 61.0 पर पहुंच गया। यह पिछले 14 महीनों में सबसे उच्च स्तर है। मई महीने में यह 59.3 दर्ज हुआ था। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कम्पोजिट आउटपुट इंडेक्स विनिर्माण और सेवाओं के संयुक्त उत्पादन में महीने-दर-महीने परिवर्तनों को ट्रैक करता है। एचएसबीसी फ्लैश परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारतीय व्यवसायों ने जून में निर्यात ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि दर्ज की। यह 2014 के रिकॉर्ड वृद्धि के बाद से सबसे मजबूत उछाल है। इससे पता चलता है कि कंपनियां बढ़ती घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ा रही हैं।

# कुछ ने कहा था कि मैं आठ महीने भी नहीं टिक पाऊंगा

## चोट का मजाक उड़ाने वालों को बुमराह का जवाब

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स के हेडिंग्ले में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 90 रन बना लिए हैं। इसी के साथ भारतीय टीम की बढ़त 96 रन की हो गई है। भारत ने पहली पारी में 471 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 465 रन पर समाप्त हुई थी और दूसरी पारी में उतरने से पहले शुभमन गिल एंड कंपनी को छह रन की बढ़त मिली थी। टीम इंडिया के लिए जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट झटके। हालांकि, अगर कैच न छूटे होते तो उन्हें और भी विकेट मिलते। यह बुमराह के टेस्ट करियर का 14वां फाइव विकेट हॉल रहा। ऐसा करने के बाद उन्होंने आलोचकों को भी निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा है कि आलोचक सोच रहे थे कि वह आठ से 10 महीने में समाप्त हो जाएंगे और नहीं खेल पाएंगे, लेकिन हर बार इसे गलत साबित करते हुए वह 10 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना जारी रखे हुए हैं। बुमराह ने पांच विकेट लेने के बाद कामयाबी के गुर के बारे में बात किया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें बुरा लगता है जब लोग उनके चोटिल होने पर उनके करियर के समाप्त होने के बारे में बात करते हैं? बुमराह ने जवाब दिया, श्लोगों ने पिछले कुछ वर्षों में क्या कुछ नहीं कहा। कुछ ने कहा कि मैं केवल आठ महीने खेलूंगा, कुछ ने कहा 10 महीने, लेकिन अब मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे कर लिए हैं और 12-13 साल आईपीएल खेला है। अभी भी लोग कहते हैं (हर चोट के बाद), वह खत्म हो जाएगा, वह चला गया और वापसी नहीं कर पाएगा। वो जो कहते हैं, उन्हें कहने दो, मैं अपना काम करता रहूंगा। हर चार महीने में ये चीजें सामने आती रहेंगी, लेकिन जब तक भगवान चाहेंगे, मैं खेलूंगा। मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी करता हूं और फिर सबकुछ भगवान पर छोड़ देता हूं कि वह मुझे कितना आशीर्वाद देते हैं। बुमराह ने कहा कि वह लोगों की धारणा बदलने के लिए यहां नहीं हैं। उन्होंने कहा, लोग क्या कहते हैं या लिखते हैं, यह मेरे नियंत्रण से बाहर है और मैं लोगों को यह सलाह नहीं दे सकता कि वे मेरे बारे में क्या लिखें। हेडलाइन में मेरा नाम आने से दर्शक मिलते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई परेशानी नहीं होती।

बुमराह ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है, लेकिन मैच के अंत में पिच में दरार पड़ सकती है। उन्होंने कहा, श्इस समय बल्लेबाजी के लिए यह काफी अच्छा विकेट है। यह थोड़ा दोतरफा है, विकेट में कोई बड़ी समस्या नहीं है। मौसम के कारण, नई गेंद स्विंग करेगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में आप यही उम्मीद करते हैं। हम बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे और अच्छी खासी बढ़त हासिल करना चाहेंगे। दरअसल, बुमराह के लिए एशिया कप 2023 से पहले 12 महीने काफी कठिन रहे थे। उन्हें 2022 एशिया कप के समय चोट लगी थी और वह एक साल तक क्रिकेट से दूर रहे थे। इस दौरान न तो वह 2022 टी20 विश्व कप खेले और न ही आईपीएल 2023 में हिस्सा लिया। उनकी कमी टीम इंडिया को साफ महसूस हुई थी और टीम इंडिया न तो 2022 एशिया कप और न ही 2022 टी20 विश्व कप जीत पाई थी। लोग बुमराह के तीनों प्रारूपों में खेलने की काबिलियत पर सवाल उठाने लगे थे। एशिया कप 2023 से ठीक पहले आयरलैंड दौरे पर बुमराह ने वापसी की और उसके बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके सितारे बुलंद हैं। मैदान में वापसी के बाद से बुमराह ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। वह और भी घातक हो गए हैं। बुमराह के आने के बाद से आईसीसी टूर्नामेंट में भारत का जलवा रहा है। टीम इंडिया ने 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई। फिर 2024 टी20 विश्व कप अपने नाम किया। हालांकि, इस साल की शुरुआत में वह फिर चोटिल हो गए थे और उनके बैक स्ट्रेस फ्रैक्चर की समस्या फिर से उजागर हुई थी। हालांकि, तीन महीने के करीब मैदान से बाहर रहने के बाद उन्होंने आईपीएल 2025 से वापसी की और अब इंग्लैंड दौरे पर कमाल कर रहे हैं। बुमराह को टेस्ट में कप्तानी का दावेदार भी माना जा रहा था, लेकिन लगातार चोट से जूझते रहने के कारण और वर्कलोड मैनेजमेंट की वजह से उन्होंने इस जिम्मेदारी को उठाने से इनकार कर दिया।

## अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित शर्मा के 18 साल पूरे, अपना पहला हेलमेट शेयर कर लिखा भावुक संदेश

मुंबई। रोहित शर्मा ने 18 साल पहले 23 जून को ही अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। इसको याद कर हिटमैन भावुक हो गए। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने पहले हेलमेट की तस्वीर साझा की है और भावुक संदेश लिखा। रोहित ने लिखा- हमेशा आभारी रहूंगा, 23.06.07। तब रोहित की उम्र 20 साल की थी और उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ टी20 मैच से डेब्यू किया था। भारत के लिए दो आईसीसी ट्रॉफी जीत चुके रोहित को अब तक के सबसे बेहतरीन ओपनर्स में से एक माना जाता है। इन 18 वर्षों में हिटमैन के करियर में कई उतार चढ़ाव आए, लेकिन उन्होंने इन सबका डट कर सामना किया और अब वह कामयाबी की बुलंदियों पर हैं। रोहित की कप्तानी में भारत 2023 में विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल और उसी साल के अंत में वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचा। हालांकि, टीम दोनों बार ट्रॉफी से चूक गई। उन्होंने 2024 में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाया और 13 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त किया। इसके बाद टीम ने 2025 में रोहित की ही कप्तानी में चौंपियंस ट्रॉफी भी अपने नाम की। साल 2024 में रोहित 150 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले पहले पुरुष क्रिकेटर बने। हालांकि उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया। रोहित ने सभी प्रारूपों को मिलाकर 499 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम वनडे का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है। श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 264 रन बनाकर उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाया था। टी20 में रोहित अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। 159 मैचों में उन्होंने 32.05 की औसत से 4,221 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 140 से ज्यादा का रहा। इसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121' रन है। 2024 से पहले रोहित 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं।

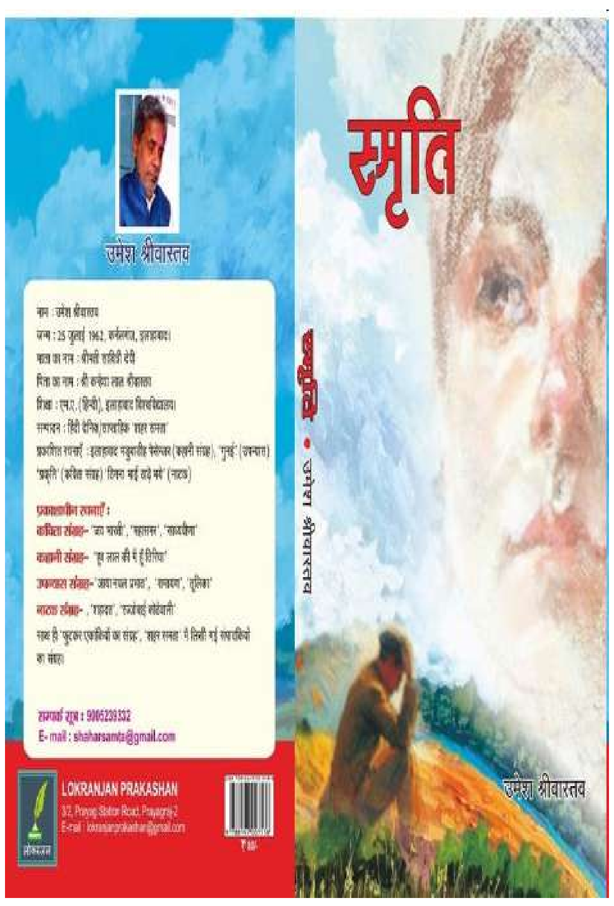


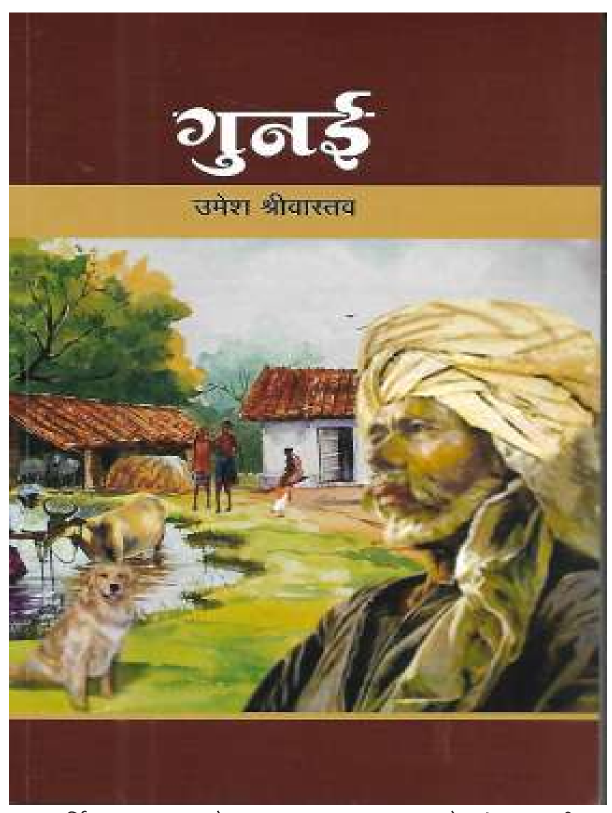


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

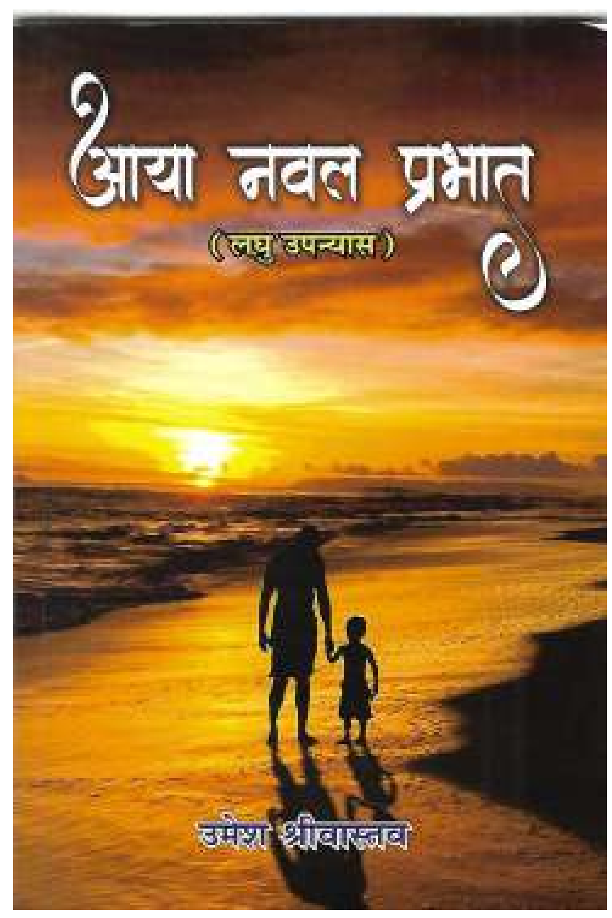


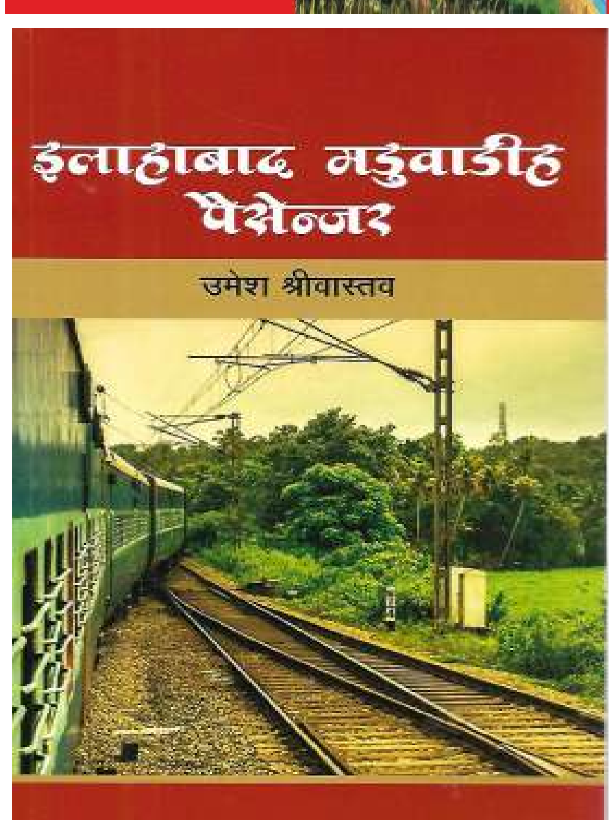


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

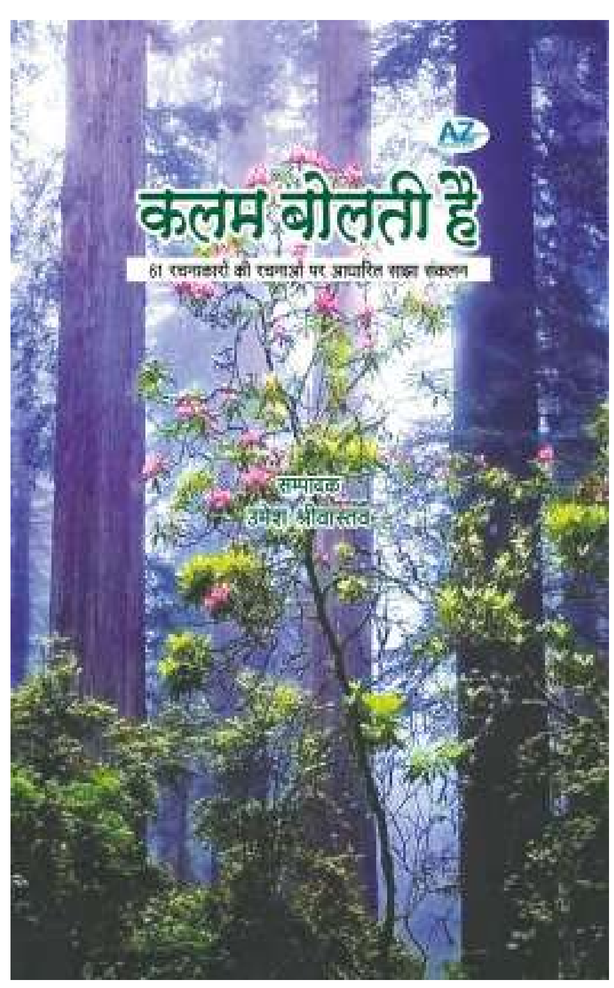


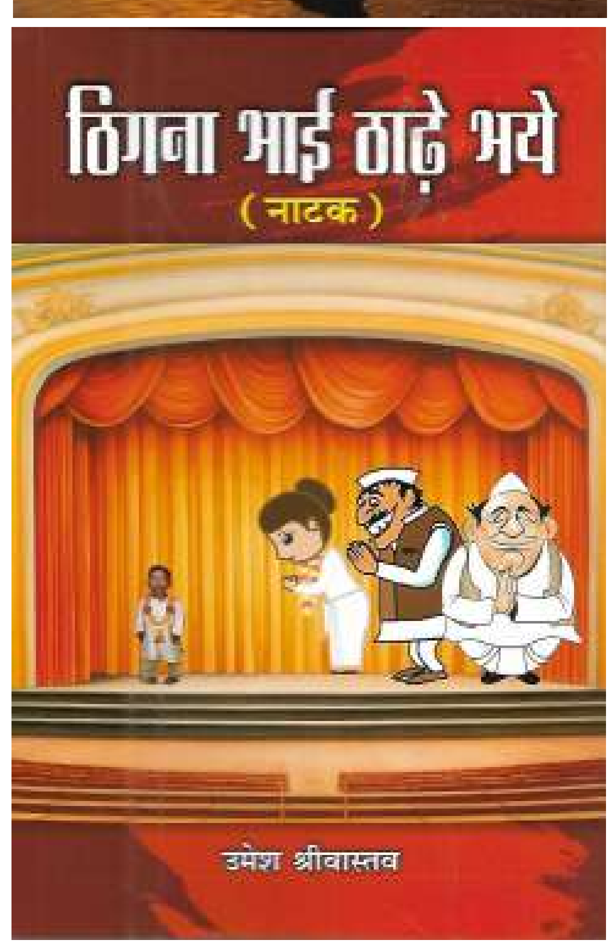


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### दमिश्क के निकट गिरजाघर में आत्मघाती हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत

सीरिया में दमिश्क के निकट खचाखच भरे एक गिरजाघर में रविवार को एक आत्मघाती हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। दमिश्क के बाहरी इलाके द्वेइला में यह हमला उस समय हुआ, जब लोग 'मार एलियास' गिरजाघर के अंदर प्रार्थना कर रहे थे। समाचार एजेंसी 'सना' ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से एक खबर में बताया कि कम से कम 53 अन्य लोग घायल हुए हैं। 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने बताया कि हमले में कम से कम 19 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य लोग घायल हुए। संगठन ने हालांकि सटीक संख्या नहीं बताई। कुछ स्थानीय मीडिया संस्थानों के मुताबिक,हमले में जान गंवाने वाले लोगों में बच्चे भी शामिल हैं। रविवार को हुए इसे हमले की किसी भी समूह ने तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली लेकिन सीरियाई गृह मंत्रालय ने बताया कि इस्लामिक स्टेट समूह के एक चरमपंथी ने गिरजाघर में प्रवेश किया और वहां मौजूद लोगों पर गोलीबारी की तथा फिर आत्मघाती हमले को अंजाम दिया। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने भी यही बात दोहराई। सीरियाई सूचना मंत्री हमजा मुस्तफा ने हमले की निंदा करते हुए इसे एक आतंकवादी हमला करार दिया।

### हिज्बुल्ला ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की निंदा की

ईरान समर्थित लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला ने रविवार को ईरान पर अमेरिकी हमलों की निंदा की, लेकिन तेहरान के जवाबी कार्रवाई में शामिल होने की धमकी नहीं दी। बयान में कहा गया, "अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अहंकार के भ्रम से प्रेरित होकर किया गया खुला धोखा और छल... पुष्टि करता है कि अमेरिका, अहंकार के अत्याचारियों के साथ मिलकर इस्लामिक गणराज्य की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा है।" इसमें कहा गया कि इससे पूरी दुनिया के सामने साबित होता है कि अमेरिका आतंकवाद का आधिकारिक प्रायोजक है और अंतरराष्ट्रीय संधियों, मानवीय कानूनों, प्रतिज्ञाओं या दायित्वों को मान्यता नहीं देता है। अमेरिका हिजबुल्ला को आतंकवादी समूह मानता है।

### ईरान पर इजराइल के हमले में 950 लोगों की मौत, मानवाधिकार संगठन ने किया दावा

अमेरिका द्वारा ईरान के सबसे मजबूत परमाणु स्थलों पर हमला करने के बाद, शासन के धार्मिक नेताओं के सामने एक खतरनाक विकल्प हैरू अमेरिका पर पलटवार करें और दो सैन्य रूप से श्रेष्ठ शत्रुओं के साथ युद्ध को बढ़ाने का जोखिम उठाएं, या परमाणु वार्ता पर वापस लौटें, जहां उन्हें संभवतः परमाणु संवर्धन और अपने बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार पर रियायतें देनी होंगी, जो देश की संप्रभुता के दो स्तंभ हैं। ईरान और इजराइल की लड़ाई में अब अमेरिका भी कूद पड़ा है। ताजा जानकारी के अनुसार ईरान पर इजराइल के हमलों में

कम से कम 950 लोग मारे गए हैं और 3,450 अन्य घायल हुए हैं। एक मानवाधिकार संगठन ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के मानवाधिकार संगठन 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स' ने ये जानकारी दी है। यह संगठन ईरान में इस तरह के मामलों में हताहतों के आंकड़े जुटाता है। संगठन ने कहा कि मरने वालों में 380 नागरिक और सुरक्षा बल के 253 जवान शामिल हैं। 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स' ने ही ईरानी नागरिक महसा अमीनी की मौत के बाद वहां 2022 में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हताहतों की विस्तृत संख्या प्रदान की थी। महसा अमीनी (22) को ईरान की पुलिस ने हिजाब ठीक से नहीं पहनने के आरोप में हिरासत में लिया था जिसके बाद सोलह सितंबर 2022 में संदिग्ध परिस्थिति में उसकी मौत हो गई थी। ईरान संघर्ष के दौरान मृतकों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं दे रहा है और उसने पूर्व में हताहतों की संख्या कम बताई थी। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा था कि इजराइल के हमलों में लगभग 400 नागरिक मारे गए हैं और 3,056 अन्य घायल हुए।

### बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त गिरफ्तार, भीड़ ने पीटा फिर बेइज्जत भी किया

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नुरुल हुदा को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी से पहले नुरुल हुदा को भीड़ द्वारा पीटा भी गया। रविवार को लोगों की भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नुरुल हुदा के ढाका स्थित आवास पर हमला किया। यह हमला ऐसे वक्त किया गया, जब पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने नुरुल हुदा के खिलाफ चुनाव में धांधली के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद ही भीड़ ने नुरुल हुदा के घर पर हमला किया। ढाका के उत्तरा पश्चिम पुलिस स्टेशन के प्रमुख हफीजुर रहमान ने बताया कि स्सूचना के बाद हम मौके पर पहुंचे तो भीड़ ने हुदा को घेरा हुआ था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक भीड़ ने हुदा के ढाका के उत्तरा इलाके में स्थित घर पर धावा बोला और उन्हें खींचकर बाहर ले आई। इस दौरान भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटा। सोशल मीडिया पर साझा किए गए पोस्ट में दिख रहा है कि भीड़ ने नुरुल हुदा को पहले जूतों से पीटा और उसके बाद उनके गले में जूतों की माला पहनाई गई।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आर्कषण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227


# MAGA की तर्ज पर ईरान के लिए ट्रंप का MIGA अभियान, मिटेगा सुप्रीम लीडर खामनेई का नामोनिशान! निकल चुकी अमेरिकी सेना ?

बी 2 बॉम्बर्स से ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर मिसाइल गिराने के बाद अब बारी ईरान में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई को मिटाने की है। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीधे सीधे संकेत दे दिए हैं, रिजीम चेंज के संकेट। ईरान और इजरायल के बीच चल रही जंग को लेकर हर रोज नई नई तस्वीर निकलकर सामने आ रही है। नए नए ऐलान हो रहे हैं। अमेरिका के एयरस्ट्राइक के बाद ईरान ने इजरायल पर खेबर शेकन मिसाइल से हमला किया। दोनों देशों के बीच पिछले दस से ज्यादा दिनों से चल रहा संघर्ष कम होने का नाम नहीं ले रहा। इसी बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई को लेकर सोशल मीडिया पर डोनाल्ड ट्रंप का पोस्ट वायरल हो रहा है। इसमें सीधे सीधे डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रिजीम

चेंज का वक्त आ गया है।

अब ईरान को ग्रेट बनाने निकले ट्रंप

ईरान में चीन परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों के बाद अब बड़े स्तर पर हमलों को और तेज होते हुए देखा जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि मेक ईरान ग्रेट अगेन का वक्त आ गया है। ट्रंप ने ये नारा अपने मशहूर नारे मेक अमेरिका ग्रेट अगेन की तर्ज पर दिया है और वो इस तरह के नारे अक्सर देते रहते हैं। ट्रंप ने कहा है कि शासन परिवर्तन शब्द करना राजनीतिक रूप से सही नहीं है, लेकिन अगर वर्तमान ईरानी शासन ईरान को फिर से महान बनाने में असमर्थ है, तो शासन परिवर्तन क्यों नहीं होगा? ट्रंप के इस बयान को सुप्रीम लीडर खामनेई के अंत की तरफ देखा जा रहा है।

क्या ये इतना आसान है

हालांकि, स्थिति पूरी तरह से वाशिंगटन के नियंत्रण में नहीं है। तेहरान के पास कई ऐसे हथकंडे हैं, जिनका इस्तेमाल वह हवाई हमलों के जवाब में कर सकता है, जिससे मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ सकता है और वैश्विक परिणाम हो सकते हैं ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से तेल शिपमेंट को रोक सकता है, क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर सकता है, साइबर हमले कर सकता है या अपने परमाणु कार्यक्रम को तेज कर सकता है – जिसे अब अमेरिकी हमले के बाद अधिक आवश्यक माना जा सकता है। इससे यह सवाल उठता है कि क्या हमले युद्ध के अधिक क्रूर चरण की शुरुआत करेंगे या सावधानी के कारण कूटनीति को पुनर्जीवित करेंगे। घरेलू स्तर पर, हमले जल्दी ही अमेरिकी राजनीति में फैल गए, जिसमें ट्रम्प ने अपने रविवार के कुछ हिस्से का इस्तेमाल कांग्रेस में अपने विरोधियों की आलोचना करने के लिए किया।

ईरान में दीर्घकालिक युद्ध छेड़ने की मंशा नहीं

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दोहराया कि ईरान में अमेरिका द्वारा दीर्घकालिक युद्ध छेड़ने की मंशा नहीं है। हेगसेथ ने कहा कि मैं बस इतना कहूंगा, जैसा कि राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है और स्पष्ट कर दिया है, यह निश्चित रूप से सीमित हस्तक्षेप का मामला है। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि इसका अभिप्राय यह नहीं है कि अमेरिका की प्रतिक्रिया देने की सीमित क्षमता है और यदि आवश्यक हुआ तो वह ऐसा करेगा। हेगसेथ ने कहा कि दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना अपने लोगों की रक्षा के लिए तैयार है।

## अमेरिकी हमलों पर जवाबी कार्रवाई का समय, तरीका और पैमाना सेना तय करेगी : ईरान

ईरान ने कहा है कि अमेरिका ने देश के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करके "कूटनीति के रास्ते बंद करने का फैसला किया", अब उसके हमलों पर जवाबी कार्रवाई का वक्त, तरीका और इसका पैमाना क्या होगा इसके बारे में फैसला सेना करेगी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरावनी ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में कहा कि ईरान ने अपने तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों के बाद कहा कि "ईरान ने युद्धोन्मादी अमेरिकी शासन को बार–बार

चेतावनी दी थी कि वह इस दलदल में न फंसे।" उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमले करके "कूटनीति के रास्ते बंद करने का निर्णय लिया" तथा अब ईरान की सेना यह निर्णय करेगी कि जवाबी कार्रवाई कब की जाएगी और इसकी प्रकृति कैसी होगी तथा इसे कैसे अंजाम दिया जाएगा। ईरानी राजदूत ने बैठक में कहा, "हम सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।" इरावनी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर आरोप लगाया कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पश्चिम के "घृणित कृत्य" कराने में और अमेरिकी विदेश नीति को 'हाईजैक' करने में सफल हो गए हैं और कहा कि इससे अमेरिका एक और निराधार युद्ध में फंस गया है। इरावनी ने कहा कि ईरान के विदेश मंत्री ने इस सप्ताह कई यूरोपीय समकक्षों के साथ बातचीत की थी लेकिन "अमेरिका ने कूटनीति के रास्ते बंद करना का फैसला किया।" उन्होंने प्रश्नात्मक लहजे से कहा "इस स्थिति से क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?पश्चिमी देशों के दृष्टिकोण से, ईरान को बातचीत की मेज पर वापस आना चाहिए।" उन्होंने कहा कि ईरान के विदेश मंत्री ने उल्लेख किया है कि ईरान किसी ऐसी चीज पर वापस कैसे लौट सकता है जिसे उसने कभी छोड़ा ही नहीं।

# अब होगी भयानक तबाही! अमेरिका के एक्शन से बौखलाया ईरान, ट्रंप ने जारी की चेतावनी

एक साहसिक राजनीतिक दांव में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस महीने की शुरुआत में तेहरान के परमाणु बुनियादी ढांचे पर तेल अवीव के हमलों से खुद को दूर रखने के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष में प्रवेश किया है। चाहे यह उनका मूल इरादा था या नहीं, ट्रम्प के हस्तक्षेप के दूरगामी निहितार्थ हैं – न केवल अमेरिकी घरेलू राजनीति और विदेश नीति के लिए, बल्कि मध्य पूर्व और व्यापक एशिया की भू–राजनीति के लिए भी।

इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी कूदा

इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी कूद पड़ा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के मकसद से इजराइल की ओर से शुरू किए गए हमलों को मजबूती प्रदान करते हुए अमेरिका ने रविवार तड़के तीन ईरानी

परमाणु केंद्रों पर हमले किए। अमेरिका ने परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए बंकर बम भी गिराए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरान ने कहा कि अमेरिका ने "हद पार कर दी है।" ईरान की जवाबी कार्रवाई की धमकी के बीच व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ने की आशंका है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के प्रमुख परमाणु केंद्रों को "पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है।" ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि कूटनीति का दौर बीत गया और उनके देश को आत्मरक्षा का अधिकार है।

अमेरिका ने ईरान को सैन्य कार्रवाई नहीं बढ़ाने की चेतावनी दी

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोर्थी शी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक आपात बैठक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी को दोहराते हुए कहा कि "अमेरिकियों या अमेरिकी सैन्य अड्डों के खिलाफ ईरान के किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हमले का जवाब सख्ती से दिया जाएगा।" उन्होंने ईरान द्वारा बुलाई गई रविवार की बैठक में कहा कि अमेरिका ने इजराइल और अमेरिकी नागरिकों की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है ताकि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोका जा सके क्योंकि ईरान ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम के बारे में "भ्रामक" बातें फैलाई और "हालिया वार्ताओं में सद्भावनापूर्ण प्रयासों को सफल नहीं होने दिया"। शी ने सुरक्षा परिषद से आग्रह किया कि वह ईरान से इजराइल को खत्म करने के मकसद से 47 साल से जारी उसके प्रयास को बंद करने, अपने परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने, अमेरिकियों और अमेरिकी हितों को निशाना बनाना बंद करने तथा "सद्भावनापूर्वक शांति वार्ता" करने का आह्वान करे।

# ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद पाकिस्तान में मची हलचल, शहबाज शरीफ ने बुलाई नेशनल सिक्योरिटी की मीटिंग

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस्लामाबाद में अपने आधिकारिक आवास पर राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की आपातकालीन बैठक करेंगे, जिसमें ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की जाएगी। सुरक्षा संबंधी चर्चाओं के लिए देश का शीर्ष मंच राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और यह राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मामलों पर निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर सहित देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व इस समिति का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के सूत्रों ने डॉन अखबार को बताया कि एनएससी की बैठक सोमवार शाम को होगी। हाल ही में अमेरिका की यात्रा से लौटे मुनीर समिति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक के बारे में विस्तार से बताएंगे। इससे पहले पाकिस्तान ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों की निंदा की थी, इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया था और 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप की सिफारिश करने की पाकिस्तान की घोषणा के एक दिन बाद क्षेत्र में हिंसा के और बढ़ने के जोखिम की चेतावनी दी थी। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में, पाकिस्तान के विदेश मामलों के मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी हमले अंतर्राष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन करते हैं, साथ ही कहा कि ईरान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत खुद का बचाव करने का वैध अधिकार है। पोस्ट में लिखा गया कि पाकिस्तान ने इजरायल द्वारा किए गए हमलों के बाद ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों की निंदा की है। हम इस क्षेत्र में तनाव के और बढ़ने की संभावना से बेहद चिंतित हैं। हम दोहराते हैं कि ये

हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन करते हैं और ईरान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत खुद का बचाव करने का वैध अधिकार है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ फोन पर बातचीत में ईरान के लोगों और सरकार के साथ पाकिस्तान की अटूट एकजुटता की पुष्टि की और जानमाल के नुकसान पर संवेदना व्यक्त की।

# दक्षिण कोरिया में 64 साल बाद बड़ा बदलाव, राष्ट्रपति ली ने चुना पहला नागरिक रक्षा मंत्री

सियोल। दक्षिण कोरिया में 64 साल बाद इतिहास रचते हुए राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने देश के रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी एक आम नागरिक को सौंपी है। राष्ट्रपति ली ने पांच बार के सांसद और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता आह ग्यू–बैक को देश का नया रक्षा मंत्री नामित किया है। इससे पहले यह पद हमेशा सेना के रिटायर्ड जनरलों के हाथों में ही रहा है। यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब देश के पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्युन समेत कई शीर्ष सैन्य अधिकारी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। ये अधिकारी पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के कार्यकाल के दौरान देश में मार्शल लॉ लागू करने में शामिल बताए जा रहे हैं। योन पर बगावत के आरोप हैं और उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया है।

कौन है सांसद आह ग्यू–बैक?

सांसद आह ग्यू–बैक लंबे समय से नेशनल असेंबली की रक्षा समिति से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा वह उस संसदीय जांच समिति के प्रमुख भी रहे हैं, जिसने पिछले साल यून के मार्शल लॉ लागू करने के पूरे घटनाक्रम की जांच की थी। बता दें कि उस दौरान भारी हथियारों से लैस सैकड़ों सैनिकों को संसद भवन और चुनाव आयोग के दफ्तरों में तैनात किया गया था। जांच एजेंसियों ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया इसी पृष्ठभूमि में दक्षिण कोरिया में यह मांग तेज हुई कि सेना पर नागरिकों का नियंत्रण और मजबूत किया जाए। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ली जे म्युंग ने भी वादा किया था कि वे देश को सैन्य वर्चस्व से मुक्त करेंगे और रक्षा मंत्री पद पर किसी नागरिक को नियुक्त करेंगे। अब उन्होंने अपने वादे पर अमल किया है।

पद पर नियुक्ति लगभग तय

आह ग्यू–बैक को लेकर औपचारिक सुनवाई की प्रक्रिया जरूर होगी, लेकिन यह महज एक औपचारिकता है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़



संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव


## मर जाऊं तब भी फलस्तीन समर्थन नहीं छोड़ूंगा, अमेरिकी जेल से छूटने के बाद फलस्तीनी कार्यकर्ता ने भरी हुंकार

न्यूयॉर्क। अमेरिका में इस्राइल विरोधी प्रदर्शन के चलते तीन महीने से ज्यादा समय तक हिरासत में रहे फलस्तीनी कार्यकर्ता महमूद खलील ने रिहाई के बाद बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें जेल में डाल दिया जाए या मार दिया जाए, लेकिन वो फलस्तीन के समर्थन में बोलना नहीं छोड़ेंगे। शनिवार को न्यू जर्सी के नेवार्क इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खलील का जोरदार स्वागत हुआ, जहां कई समर्थकों के साथ अमेरिकी सांसद एलेक्जेंड्रिया ओकासियो–कोर्टेज भी मौजूद रहीं। महमूद खलील, जो पहले कोलंबिया यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्टूडेंट रह चुके हैं, अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की सख्ती और फलस्तीन समर्थक छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का बड़ा चेहरा बन गए थे। वह करीब 104 दिनों तक लुइसियाना के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बंद रहे।


शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।